भाद्रपद कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 38 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 30-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा को नकारने के बजाय उसका समर्थन करे मुस्लिम समाज : नकवी

6 सोशल और मैसेजिंग मीडिया की काली दुनिया

7 मुंह में चांदी का चमच लेकर पैदा हुए लोग गरीबों की दुर्दशा नहीं समझेंगे : अजित पवार

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश ने मांगी 8 अरब डॉलर की मदद

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश की सरकार ने विदेशी कर्ज चुकाने और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने के लिए दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) सहित अन्य भागीदारों से आठ अरब डॉलर की बजट सहायता की मांग की है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट से गुरुवार को प्राप्त हुई। द डेली स्टार ने कहा कि सरकार एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक से बाढ़ से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में पुनर्वास कार्यक्रमों के लिए धन भी मांग रही है। देश में नुकसान और क्षति की प्राथमिक पूर्वानुमान के आधार पर, सरकार ने एडीबी को एक पत्र लिखा है, जिसमें बाढ़ पुनर्वास के लिए 30करोड डॉलर देने का अनुरोध किया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश विश्व बैंक से भी बड़ी रकम की मांग करेगा, लेकिन अभी तक औपचारिक अनुरोध नहीं किया गया है।

ईरान ने अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को अस्त्र-श्रेणी स्तर के करीब तक बढ़ाया: आईएईए

वियना/एपी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था की एक गोपनीय रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय आह्वान की अवहेलना करते हुए ईरान ने अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को अस्त्र-श्रेणी स्तर के करीब तक बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट के अनुसार, 17 अगस्त तक ईरान के पास 60 फीसदी तक संवर्धित 164.7 किलोग्राम (363.1 पाउंड) यूरेनियम था। मई में आईएईए की पिछली रिपोर्ट के बाद से यह 22.6 किलोग्राम (49.8 पाउंड) की वृद्धि है। साठ प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित यूरेनियम 90 प्रतिशत के अस्त्र-श्रेणी स्तर से बस एक छोटा सा तकनीकी कदम दूर है।

सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए अजीत डोभाल कोलंबो पहुंचे

कोलंबो/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन शुक्रवार को आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात भी करेंगे। सम्मेलन अपने कोलंबो सचिवालय के साथ भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को एक मंच पर लाता है। सम्मेलन में बांग्लादेश और सेशेल्स को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है। इस सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होती है तथा भारत हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक चिंताओं से अवगत कराता है।

29-08-2024 सूर्यास्त 6:31 बजे | 30-08-2024 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
82,134.61	25,151.95
(+349.05)	(+99.60)

सोना	चांदी
7,543 रु.	93,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सनातन विद्वेष

सतहत्तर सालों से अब भी,
वो ही मसले वो ही पंगे।
वो ही है नफरत के नारे,
वो ही जुमले वो ही दंगे।
पर्दे में जो शालीन दिखे,
वे सरेआम दिखते नंगे।
लग रहे सियासत में सारे,
जंगली सियार इक रंग रंगे।।

देश की संस्कृति को गौरव के साथ आगे बढायें विदेश सेवा के अधिकारी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश सेवा के अधिकारियों से देश की संस्कृति को गौरव के साथ आगे बढाने तथा औपनिवेशिक मानसिकता से निजात पाने को कहा है।

भारतीय विदेश सेवा के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस बैच में 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 36 अधिकारी प्रशिक्षु हैं।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विदेश नीति की सफलता की सराहना की और उनसे सुझाव तथा मार्गदर्शन मांगा। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि उन्हें हमेशा गर्व और गरिमा के साथ देश की संस्कृति को अपने साथ रखना चाहिए और जहां भी वे तैनात हों, इसे प्रदर्शित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत आचरण सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में औपनिवेशिक मानसिकता पर काबू पाने और इसके बजाय खुद को देश के गौरवान्वित प्रतिनिधि के रूप में आगे बढ़ाने की बात की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि विश्व मंच पर देश के प्रति धारणा बदल रही है। उन्होंने कहा कि अब हम दुनिया के साथ समान स्तर पर, परस्पर सम्मान और गरिमा के साथ जुड़ते हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने अन्य देशों की तुलना में कोविड महामारी को कैसे संभाला।

रिलायंस का देश के लिए धन सृजन पर ध्यान : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका तेल से लेकर दूरसंचार तक का कारोबार करने वाला समूह अल्पकालिक लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है, बल्कि उसका ध्यान देश के लिए धन सृजन पर है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) के शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक में उन्होंने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सभी कारोबार भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाले प्रमुख चालक बने हुए हैं और सफलता की गाथा बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''हम अल्पकालिक लाभ कमाने तथा धन संचय करने के व्यवसाय में नहीं हैं। हम भारत के लिए धन सृजन के व्यवसाय में हैं। हम उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के कारोबार में हैं जो भारतीय उपभोक्ताओं के लिए दक्षता, उत्पादकता और जीवन को आसान बनाते हैं।''

रिलायंस का लक्ष्य देश को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करना तथा भावी पीढ़ियों के लिए विश्व को अधिक स्वच्छ तथा हरित बनाना है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंबानी ने कहा कि कंपनी का निदेशक मंडल पांच सितंबर को 1:1 के अनुपात में 'बोनस शेयर' जारी करने पर विचार करने के लिए बैठक करेगा। उन्होंने कहा, ''जब रिलायंस बढ़ता है, तो हम अपने शेयरधारकों को अच्छा इनाम देते हैं।''

अंबानी ने साथ ही कहा कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण को रणनीतिक रूप से अपनाने से रिलायंस निकट भविष्य में दुनिया की शीर्ष-30 कंपनियों में अपना स्थान सुरक्षित कर लेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य अतीत की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल है।

पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री मोदी को एससीओ सम्मेलन का निमंत्रण भेजा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अक्टूबर में यहां आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि 15-16 अक्टूबर को होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शासनाध्यक्षों को निमंत्रण भेजे गए हैं। खबर में बलूच के हवाले से कहा गया है, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी निमंत्रण भेजा गया है। बलूच ने कहा कि कुछ देशों ने पहले ही एससीओ के शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, तय समय पर यह बताया जाएगा कि किस देश ने पुष्टि की है।

पाकिस्तान और भारत के बीच तनावपूर्ण संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसका मुख्य कारण कश्मीर मुद्दा और पाकिस्तान की तरफ से होने वाला सीमा पार आतंकवाद है। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध चाहता है। हालांकि वह इस बात पर जोर देता रहा है कि इस तरह के संबंध के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

घुसपैठ की कोशिशें नाकाम, तीन आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की दो कोशिशों को नाकाम कर दिया और तीन आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''(तंगधार ऑपरेशन में) एक आतंकवादी के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। कुपवाड़ा के माछल क्षेत्र में जारी घुसपैठ विरोधी अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इसके अलावा दो ए के राइफल, एक पिस्तौल, चार हथगोले और युद्ध से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई है।'' सेना ने कहा कि दोनों स्थानों पर तलाश अभियान जारी है।

ढलते सूरज की मद्धम रोशनी में रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ पेरिस पैरालम्पिक का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। ओलंपिक की मेजबानी के चंद हफ्ते बाद ही पेरिस में करीब चार घंटे तक शहर के बीचोंबीच चले उद्घाटन समारोह के साथ ही खेलों में जीवट और जिजीविषा की बानगी पेश करते पैरालम्पिक का आगाज हुआ।

ढलते सूरज की मद्धम रोशनी में हजारों खिलाड़ियों ने चैम्प्स एलिसीस एवेन्यू से प्लेस डे ला कोंकोर्ड तक चली देशों की परेड में हिस्सा लिया जहां फ्रांस के राष्ट्रपति एमैन्युअल मैकरोन ने पैरालम्पिक खेलों की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। ऐतिहासिक चौक के आसपास बनाई दीर्घाओं से करीब 50000 लोगों ने उद्घाटन समारोह देखा। आठ सितंबर तक चलने वाले इन खेलों में 22 विधाओं में 4000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे जिनमें दिव्यांग, दृष्टिबाधित या बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ी शामिल हैं। आयोजकों ने कहा कि खेलों के 28 लाख टिकटों में से 20 लाख से अधिक बिक चुके हैं। ओलंपिक की ही तरह पैरालम्पिक का उद्घाटन समारोह भी स्टेडियम में आयोजित नहीं किया गया। सिर के ऊपर से गुजरते लड़ाकू विमानों से फ्रांसीसी ध्वज के तीन रंगों लाल, सफेद और नीले रंग का गुबार निकल रहा था।

एक विकसित देश बनने के लिए आगे बढ़ रहा है भारत : रक्षा मंत्री

देश की दूसरी परमाणु पनडुब्बी अरिघात नौसेना के बेड़े में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। अरिहंत श्रेणी की दूसरी परमाणु पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' बृहस्पतिवार को विशाखापतनम में नौसेना के बेड़े में शामिल हो गयी जिससे नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ गयी है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अनेक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी तथा सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारी भी मौजूद थे।

सिंह ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि 'अरिघात' देश की परमाणु तिकड़ी यानी परमाणु ट्रायडंट को और मजबूत करेगी, परमाणु प्रतिरोध को बढ़ाएगी, क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी और देश की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए उपलब्धि और सरकार के रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया।

रक्षा मंत्री ने इस क्षमता को हासिल करने में कड़ी मेहनत और तालमेल के लिए भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और उद्योग की सराहना की। उन्होंने इस आत्मनिर्भरता को आत्मशक्ति की नींव बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से देश के औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर एमएसएमई को भारी बढ़ावा मिला है और रोजगार के अधिक अवसर पैदा हुए हैं।

■ अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी अरिघात अरिहंत का उन्नत स्वरूप है और यह अत्याधुनिक हथियार प्रणाली तथा उपकरणों से लैस है। इसे कठिन तथा निरंतर परीक्षणों की सफलता के बाद नौसेना को सौंपा गया है।

अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी अरिघात अरिहंत का उन्नत स्वरूप है और यह अत्याधुनिक हथियार प्रणाली तथा उपकरणों से लैस है। इसे कठिन तथा निरंतर परीक्षणों की सफलता के बाद नौसेना को सौंपा गया है। अरिघात की लंबाई 112 मीटर, चौड़ाई 11 मीटर तथा इसका वजन 6 हजार टन है। पनडुब्बी में घातक के-15 मिसाइलें लगी हैं जो 750 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं। इसकी विशेषता यह है कि यह दुश्मन को चकमा देकर उसकी पकड़ में आये बिना हमला करने में सक्षम है। पनडुब्बी डेढ हजार फुट से भी अधिक गहराई तक पानी में जा सकती है। देश में तीसरी परमाणु पनडुब्बी अरिदमन भी बनायी जा रही है और कुछ वर्षो में यह भी नौसेना के बेड़े में शामिल हो जायेगी।

अरिहंत और अरिघात में 83 मेगावाट के लाइट वाटर रिएक्टर हैं जिनसे इनका संचालन किया जाता है। परमाणु रिएक्टरों के कारण ये पनडुब्बी परंपरागत पनडुब्बियों की तुलना में महीनों तक पानी के भीतर रह सकती हैं।

सिंह ने पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद करते हुए, जिसने भारत को एक परमाणु हथियार संपन्न देश के बराबर खड़ा किया।

अंतरकॉलेजीय आदर्श फैबल फिएस्टा में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए भाषा विभाग द्वारा शहर के एसआरएन आदर्श कॉलेज में एक अंतर-कॉलेजीय उत्सव 'आदर्श फैबल फिएस्टा' में भाषाई और साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत एस. ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में साहित्यिक कौशल को बढ़ाने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आदर्श फैबल-फिएस्टा एक ऐसा मंच है, जहाँ विद्यार्थी लेखन, भाषण और प्रदर्शन कला में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। इस उत्सव में अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ और संस्कृत भाषा में एक्सटेम्पोर, सुलेख, हम एक कविता, कैंपस कर्टन कॉल, वाद-विवाद, स्टेजर प्रतियोगिता रेट्रो गायन, भावगीत, किरु चित्र निर्माण, नाटक, भगवद गीता पाठ और सुभाषित स्लोगन अनुवाद सहित कुल 14 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में शहर भर के विभिन्न कॉलेजों से भागीदारी हुई, जिसमें लगभग 180 विद्यार्थी शामिल हुए। समापन समारोह में संस्थान के अध्यक्ष पदमराज मेहता, रवींद्रराज भंडारी, कार्यकारिणी सदस्य व प्राचार्य ने विजेताओं को प्रमाण पत्र और आकर्षक पुरस्कार वितरित किए।

अजा के लिए आंतरिक कोटा पर कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा करेंगे सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कांग्रेस विधायकों और अनुसूचित जाति समुदाय के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि वह अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण के पक्ष में हैं और इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे।

सिद्दरामय्या के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, मैंने आंतरिक आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। मैं आंतरिक आरक्षण के पक्ष में हूं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि वह उच्चतम न्यायालय के फैसले के बारे में कानूनी विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे।

अर्बन वॉल्ट ने बेंगलूरु में ब्रिगेड ग्रुप से एक लाख वर्ग फुट कार्यस्थल पट्टे पर लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। अर्बन वॉल्ट ने घरेलू तथा वैश्विक कंपनियों की ओर से प्रबंधित कार्यस्थलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड ग्रुप से बेंगलुरु में एक लाख वर्ग फुट कार्यस्थल पट्टे पर लिया है। अर्बन वॉल्ट कॉर्पोरेट जगत को प्रबंधित कार्यस्थल समाधान प्रदान करती है। उसके खंड में वर्तमान में 20 लाख वर्ग फुट से अधिक कार्यालय स्थान है, जिसमें 30,000 से 'अधिक डेस्क' शामिल हैं।

कंपनी ने बयान में कहा, उसने बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में 'ब्रिगेड समिट' परियोजना में जगह ली है। अर्बन वॉल्ट के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमल मिश्रा ने कहा, हमने व्हाइटफील्ड में नया केंद्र खोलने के लिए ब्रिगेड ग्रुप से एक लाख वर्ग फुट का कार्यालय स्थान लिया है।''

बयान में कहा गया, इस नई सुविधा में 2,000 से 'अधिक डेस्क' होंगे। प्रति सीट लागत करीब 9,000 रुपये प्रति माह होगी।

गुजरात : बारिश की स्थिति में सुधार, कुछ हिस्सों में अब भी बाढ़ जैसी स्थिति, मोदी ने पटेल से की बात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में बृहस्पतिवार को बारिश कम हुई, जिससे स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ लेकिन वडोदरा और राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में अब भी नदियां उफान पर होने से वहां बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। अधिकारी राहत एवं बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार दूसरे दिन राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से बाढ़ के बाद बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने को भी कहा। अधिकारियों ने बताया कि गुजरात में पिछले तीन दिनों में, बुधवार तक, बारिश से संबंधित घटनाओं में 26 लोगों की मौत हो गई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) की अद्यतन जानकारी में बताया गया कि गुजरात के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 18,000 से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया है तथा लगभग 1,200 लोगों को बचाया गया है। सुरक्षाबलों ने कुछ लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

हाल ही में हुई भारी बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित वडोदरा में स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ क्योंकि विश्वामित्री नदी का जलस्तर सुबह 37 फुट से घटकर 32 फुट रह गया है। हालांकि, शहर के कई निचले इलाके अभी भी जलमग्न हैं। भारी बारिश और अजवा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण विश्वामित्री नदी का जलस्तर 25 फुट के खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया था। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''गुजरात में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज लगातार दूसरे दिन मुझे फोन किया और स्थिति के बारे में जानकारी ली।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने विश्वामित्री नदी में आई बाढ़ पर चिंता जताई और वडोदरा के लोगों के लिए राहत और बचाव के उपायों के बारे में भी जाना।'' पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली और राज्य को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

सिमरनजीत मान ने कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की

चंडीगढ़/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने बृहस्पतिवार को भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। रनौत ने हाल में किसान आंदोलन को लेकर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया था। मान (79) से हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से सांसद रनौत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने करनाल में 'बलात्कार' का उल्लेख करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की।

रनौत ने हाल में साक्षात्कार का एक क्लिप पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर देश में मजबूत नेतृत्व न होता तो भारत में भी बांग्लादेश जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि निरस्त किये जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान शव लटक रहे थे और बलात्कार हो रहे थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी मान पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए करनाल में थे।

रिलायंस खुद को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनी में बदलने में जुटी: अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि रिलायंस बदलते हुए परिदृश्य में खुद को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनी में तब्दील कर रही है। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) को मानव जाति के विकास में एक परिवर्तनकारी घटना बताते हुए कहा कि यह मानव जाति के समक्ष मौजूद जटिल समस्याओं के समाधान के लिए नए रास्ते खोल रही है।

अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) की 47वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस में जारी प्रौद्योगिकी-संचालित बदलाव कंपनी को तीव्र वृद्धि के नए स्तर पर ले जाएगा और आने वाले वर्षों में इसका मूल्य कई गुना बढ़ जाएगा।

अंबानी ने कहा कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी (डीप टेक) और उन्नत विनिर्माण को रणनीतिक रूप से अपनाने से रिलायंस निकट भविष्य में दुनिया की शीर्ष-30 कंपनियों में अपना स्थान सुरक्षित कर लेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य अतीत की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल है। अंबानी ने कहा कि जियो आज एक प्रमुख प्रौद्योगिकी अन्वेषक के रूप में खड़ा है। उन्होंने मानव जाति के विकास में एआई को संभवतः सबसे बड़ा परिवर्तनकारी घटना बताते हुए कहा कि इसने मानव जाति के समक्ष आने वाली अनेक जटिल समस्याओं के समाधान के अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने आपको पिछले साल बताया था कि रिलायंस अब प्रौद्योगिकी का शुद्ध उत्पादक बन गई है। क्रांतिकारी प्रौद्योगिकियां और नवाचार हमेशा से देशों के साथ कॉरपोरेट जगत के लिए भी सबसे बड़े संपदा पैदा करने वाले रहे हैं। रिलायंस ने अपनी वृद्धि के हर चरण में इस ''विकास मंत्र'' को अपनाया है।'' रिलायंस विभिन्न तरीकों से खुद को उन्नत विनिर्माण क्षमताओं के साथ एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनी में तब्दील कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम अपने ग्राहकों के लिए अधिकतम मूल्य पैदा करने के लिए हर व्यवसाय में नवीन प्रौद्योगिकियां लेकर आ रहे हैं। हमारे प्रतिभाशाली इंजीनियर तथा वैज्ञानिक हमारे उत्पाद व सेवा पेशकशों को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी नवाचारों को आंतरिक स्तर पर विकसित कर रहे हैं। हमने सभी रिलायंस व्यवसायों के लिए एक एआई-केंद्रित डिजिटल ढांचा बनाया है और अपने सॉफ्टवेयर आधार खड़ा किया है।''

अंबानी ने कहा, ''रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में शोध एवं विकास पर 3,643 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए, जिससे पिछले चार वर्षों में शोध पर हमारा खर्च 11,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। हमारे सभी व्यवसायों में महत्वपूर्ण शोध परियोजनाओं पर 1,000 से अधिक वैज्ञानिक और शोधकर्ता काम कर रहे हैं।''

राहुल ने साझा किया मार्शल आर्ट का वीडियो, बोले: शुरू हो रही 'भारत डोजो यात्रा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को मार्शल आर्ट से संबंधित एक वीडियो जारी किया और कहा कि जल्द ही 'भारत डोजो यात्रा' शुरू हो रही है।

'डोजो' आमतौर पर मार्शल आर्ट के लिए एक प्रशिक्षण कक्ष या स्कूल को कहा जाता है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर जो वीडियो साझा किया है वो इस साल की शुरुआत में निकाली गई 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समय का है। वीडियो में वह कई बच्चों के साथ मार्शल आर्ट की बारीकियां साझा करते नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने इस वीडियो के साथ पोस्ट किया, ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान, जब हमने हजारों किलोमीटर की यात्रा की तो हर शाम अपने विश्राम स्थल पर जिउ-जित्सु का अभ्यास करने की हमारी दैनिक दिनचर्या थी। फिट रहने के एक सरल तरीके के रूप में जो शुरू हुआ वह तेजी से एक सामुदायिक गतिविधि में बदल गया।'' उनका कहना था, ''हमारा लक्ष्य इन युवाओं को ध्यान, जिउ-जित्सु, ऐकिडो और अहिंसक संघर्ष की तकनीकों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण 'जेंटल आर्ट' की सुंदरता से परिचित कराना था। हमारा उद्देश्य उनमें हिंसा को सज्जनता में बदलने का मूल्य पैदा करना, उन्हें अधिक दयालु और सुरक्षित समाज बनाने के लिए औजार मुहैया कराना था।''

एलआईसी ने सरकार को 3,662 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बृहस्पतिवार को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को 3,662.17 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा।

एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एम पी तंगिराला की उपस्थिति में वित्तमंत्री को यह चेक सौंपा। एलआईसी ने एक मार्च 2024 को 2,441.45 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश भी दिया था। इस प्रकार, वित्त वर्ष वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र को कुल 6,103.62 करोड़ रुपए का लाभांश दिया गया। एलआईसी ने अपनी स्थापना के 68 साल पूरे कर लिए हैं। कंपनी का संपत्ति आधार 52.85 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

उच्चतम न्यायालय में कर्मियों और वकीलों के बच्चों के लिए बड़ा क्रेच बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय परिसर में बृहस्पतिवार को एक बड़े क्रेच (शिशु सदन) की शुरुआत की गई, जिसमें सर्वोच्च अदालत के कर्मियों और वकीलों के करीब 100 बच्चों को रखा जा सकता है।

जैसे ही भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ मध्यस्थता से संबंधित एक मामले की सुनवाई के लिए एकत्र हुई, उन्होंने वकीलों को इस सुविधा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, आज हमने नए क्रेच का लोकार्पण किया। पहले का क्रेच लगभग 200 वर्ग मीटर का था और उसमें करीब 30 बच्चे समायोजित किए जा सकते थे। अब हमारे पास 450 वर्ग मीटर में फैला क्रेच है, जिसमें हमारे कर्मियों और बार के सदस्यों के करीब 100 बच्चे रह सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने बार के सदस्यों को सर्वोच्च अदालत के प्रशासनिक भवन परिसर में स्थित क्रेच को देखने का सुझाव दिया। न्यायालय में उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बार के सदस्य क्रेच को खिलौने और ऐसी अन्य बच्चों की चीजें दान कर अपना योगदान दे सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि क्रेच में बच्चों के लिए खेलने का क्षेत्र और सोने का क्षेत्र है वहीं बाथरूम को बच्चों के मद्देनजर फिर से डिजाइन किया गया है। उन्होंने वकीलों को प्रशासनिक भवन परिसर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की एक नई शाखा के उद्घाटन की भी जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए पोर्टल की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बृहस्पतिवार को उस केंद्रीकृत मंच की शुरुआत की, जिसे यौन उत्पीड़न की शिकायतों का समाधान और प्रबंधन करके महिलाओं के लिए कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने के वास्ते तैयार किया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 'शी-बॉक्स' पोर्टल कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

यहां आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्रालय की नई वेबसाइट भी शुरुआत की गई। मंत्रालय ने कहा कि यह पोर्टल देशभर में आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में कार्य करेगा, जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्र शामिल होंगे।

यह पोर्टल महिलाओं को शिकायत दर्ज करने, उनकी स्थिति पर निगरानी रखने तथा यह सुनिश्चित करने में सहायता करेगा कि शिकायतों का समय पर निपटान हो।

बयान में कहा गया है कि इसमें शिकायतों की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए एक नामित नोडल अधिकारी भी शामिल है, जिससे एक सुव्यवस्थित और सुनिश्चित निवारण प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अन्नपूर्णा देवी ने इस मौके पर महिलाओं के लिए कार्यस्थल के माहौल को अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाने में इस पहल के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''यह पहल कार्यस्थल से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतों का समाधान करने के लिए पहले से अधिक कुशल और सुरक्षित मंच उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्पूर्ण भारत में महिलाओं के लिए सुरक्षित और अधिक समावेशी कामकाज का वातावरण बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।''

श्रद्धांजलि

स्व. श्री पुनमचंद संचेती
स्वर्गवास :28.08.2024
हमारे आजीवन सदस्य श्री पुनमचंद संचेती के स्वर्गवास पर भावभीनी श्रद्धांजलि
Team KMYF Estd. 1981
Karnataka Marwari Youth Federation
Bengaluru

क्षिप्रा नदी साफ करने के लिए इंदौर में दो नदियों के किनारे 1,500 अतिक्रमण हटाए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

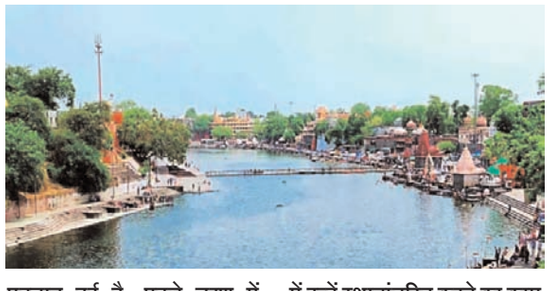

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। उज्जैन में वर्ष 2028 में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले क्षिप्रा नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने के बड़े अभियान के तहत इंदौर में प्रशासन ने कान्ह और सरस्वती नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में लगभग 1,500 कच्चे मकानों के अतिक्रमण हटाने का फैसला किया है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी आशीष सिंह ने संवाददाताओं को बताया, ''कान्ह और सरस्वती नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में जिन अतिक्रमणों की पहचान हुई है, पहले चरण में उनमें से करीब 1,500 कच्चे मकान हटाए जाएंगे।'' उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस भी दिए गए हैं। सिंह ने कहा,''बारिश के चलते इन लोगों को स्थानांतरित किए जाने में थोड़ी देरी हुई है। अगले पांच-दस दिनों में इन्हें स्थानांतरित करने का काम शुरू किया जाएगा।'' सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय पहले ही निर्देश दे चुके हैं कि कान्ह और सरस्वती के 30-30 मीटर के दायरे में अवैध निर्माण हटाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने इंदौर में दोनों नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में कुल मिलाकर करीब 3,000 अतिक्रमणों की पहचान की है, इनमें कच्चे मकानों के अलावा आवासीय और वाणिज्यिक उपयोग के पक्के मकान भी शामिल हैं। इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र से निकलने वाली क्षिप्रा उज्जैन पहुंचती है, जहां हर 12 साल में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु इस नदी में स्नान करते हैं। क्षिप्रा को हिंदुओं की धार्मिक मान्यताओं में मोक्षदायिनी कहा जाता है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में गंदे नाले में तब्दील कान्ह और सरस्वती नदियों का पानी भी आगे जाकर क्षिप्रा में मिलता है और इसमें होने वाले प्रदूषण में इजाफा करता है।

आईएफएससी में विदेशी निवेशक सरकारी हरित बॉन्ड में कर सकेंगे निवेश: आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में विदेशी निवेशकों को सरकारी हरित बॉन्ड में निवेश की अनुमति देने के लिए योजना शुरू की। इस पहल का मकसद विदेशी निवेशकों की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

सरकार ने जनवरी, 2023 में सरकारी हरित बॉन्ड (एसजीआरबी) जारी किए थे। वित्त वर्ष 2023-24 में भी सरकारी उधारी कैलेंडर के तहत एसजीआरबी जारी किए गए थे। फिलहाल बाजार नियामक सेबी के साथ पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न मार्गों के तहत सरकारी हरित बॉन्ड में निवेश करने की अनुमति है। अप्रैल की शुरुआत में रिजर्व बैंक ने एसजीआरबी में अनिवासी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत में आईएफएससी में हरित बॉन्ड के कारोबार और निपटान की योजना लाने की घोषणा की थी।

आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी एक परिपत्र में कहा कि आईएफएससी में पात्र विदेशी निवेशकों को ऐसे बॉन्ड में निवेश करने की अनुमति दी जा रही है।

राज्यपाल के आदेश को चुनौती देने वाली सिद्दरामय्या की याचिका पर सुनवाई कल तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस याचिका की सुनवाई शनिवार तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के कथित भूखंड घोटाले के सिलसिले में राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उनके खिलाफ अभियोजन मंजूरी को चुनौती दी है। अदालत ने 19 अगस्त के अपने अंतरिम आदेश का विस्तार करते हुए जन प्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई के लिए अधिकृत विशेष अदालत को निर्देश दिया कि वह सिद्दरामय्या के खिलाफ मामले की सुनवाई अगली तारीख तक टाल दे।

मुख्यमंत्री के लिए पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुनवाई शुरू होते ही अपनी दलीलें पेश कीं। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा, (हमने) वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जिन्होंने फिलहाल अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं, (लेकिन) उनका प्रत्युत्तर का अधिकार सुरक्षित है। प्रतिवादियों की दलीलें पूरी होने के बाद राज्यपाल की ओर से पेश हो रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता 31 अगस्त को पूर्वाह्न 1030 बजे अपनी दलीलें रखेंगे। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा, ''उन्नीस अगस्त को जारी अंतरिम आदेश मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक कायम रहेगा।'' राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नगरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी, जिसके खिलाफ उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

शिवकुमार के खिलाफ डीए मामले में सरकार की सहमति वापस लेने के विरुद्ध सीबीआई की अर्जी खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई योग्य करार नहीं दिया जिसमें उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले की जांच के लिए दी गई सहमति वापस लेने संबंधी कांग्रेस सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति के. सोमशेखर और न्यायमूर्ति उमेश एम अडिगा की खंडपीठ ने राज्य सरकार के 26 दिसंबर, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें 74.93 करोड़ रुपये के डीए मामले को जांच के लिए लोकायुक्त को भेजने का आदेश दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने 67 पृष्ठ के फैसले में कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दों पर उच्चतम न्यायालय को विचार करना चाहिए। पीठ ने इस मामले पर अपना फैसला 12 अगस्त को सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने पहले आरोप लगाया था कि शिवकुमार ने 2013 और 2018 के बीच आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। इस अवधि के दौरान वह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने शिवकुमार पर मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी दी थी, जिसके बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के सिलसिले में जांच शुरू की गई थी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली राज्य की वर्तमान कैबिनेट ने 23 नवंबर को कहा था कि शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को सहमति देने का पूर्ववर्ती भाजपा सरकार का कदम कानून के अनुरूप नहीं था और उसने मंजूरी वापस लेने का फैसला किया।

यह जनता और सरकार की जीत है : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । आय से अधिक संपत्ति मामले में सीबीआई की अर्जी खारिज करने के उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि यह फैसला जनता और सरकार की जीत है। कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा आय से अधिक संपत्ति मामले में सीबीआई और भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की याचिका को खारिज करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, न्यायपालिका में मेरा बहुत विश्वास था और आज मैं खुद को निर्दोष महसूस कर रहा हूं। यह व्यक्तिगत जीत से कहीं अधिक लोगों और सरकार की जीत है। मैं सरकार और अपने कानूनी सलाहकारों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, हाई कोर्ट ने सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। इसका मतलब है कि सीबीआई को या तो केस छोड़ देना चाहिए या फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील करनी चाहिए। मुझे देश की अदालतों पर भरोसा है और न्यायपालिका ने मुझे सुरक्षा दी है।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन को कड़ी सुरक्षा के बीच बेल्लारी जेल में स्थानांतरित किया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा को बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से बेल्लारी जेल भेज दिया गया। वह रेणुकास्वामी हत्याकांड के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में हैं। दर्शन की एक तस्वीर रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बेंगलूरु के 24 वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को दर्शन को बेल्लारी जेल में स्थानांतरित करने की अनुमति दी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर में वह एक आदतन अपराधी समेत तीन लोगों के साथ जेल परिसर में एक कुर्सी पर बैठकर और हाथ में कॉफी का मग लेकर धूम्रपान करते नजर आ रहा था। इस तस्वीर को लेकर काफी विवाद भी हुआ।

अदालत ने हत्याकांड के अन्य सह-आरोपियों को भी राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी है और उनमें से कुछ को आज स्थानांतरित कर दिया गया। तस्वीर में दर्शन कुर्सी पर आराम की मुद्रा में बैठे हैं और उनके एक हाथ में सिगरेट एवं दूसरे में कॉफी मग नजर आ रहा है। इसके अलावा, दर्शन का एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह जेल से वीडियो कॉल पर एक व्यक्ति से बात करते दिखाई दे रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से तथा प्रशंसकों की भीड़ से बचने के लिए दर्शन को आंध्र प्रदेश के मार्ग के जरिये बेल्लारी की जेल में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि दर्शन को पुलिस एसयूवी में परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से बाहर लाया गया, जिसके बाद चिक्काबल्लापुर के पास उन्हें पुलिस वैन में बिठाकर कड़ी सुरक्षा के बीच जिला मुख्यालय शहर बेल्लारी की जेल ले जाया गया। दर्शन ने काले रंग की टी-शर्ट और नीली जींस पहनी हुई थी।

राज्य में गैरजिम्मेदार कांग्रेस सरकार : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने आपत्ति जताई कि राज्य की कांग्रेस सरकार महिला हिंसा के मामले में गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। वह मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित भाजपा महिला मोर्चा की राज्य स्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस सरकार को कोस रही है। उन्होंने इसे जनविरोधी सरकार बताते हुए इसकी आलोचना की।

विजयेन्द्र ने कहा कि जब विपक्ष हो तो संघर्ष अपरिहार्य है और अगर चुनाव होने पर ही संघर्ष करेंगे तो यह जनता का अपमान और अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि अगर राज्य के शीर्ष पर बैठी सरकार जनविरोधी नीतियां अपनाती है तो राज्य के लोगों के लिए लड़ना हमारा कर्तव्य है। इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद महिलाओं के खिलाफ हिंसा में लगातार वृद्धि हुई है। राज्य में वाल्मिकी निगम घोटाला, मुडा घोटाला के खिलाफ संघर्ष जारी है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा जारी है। उन्होंने विश्लेषण किया कि महिला हिंसा के मामले में मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और मंत्रियों का आचरण महत्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जब से यह सरकार आयी है तब से राज्य में विकास कार्य शुरू नहीं हुआ है। विकास कार्य ठप्प है। कोई भी विभाग विकास कार्य को गति नहीं दे पा रहा है। उन्होंने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना महिलाओं के लिए है। लोकसभा चुनाव के समय मतदान से चार दिन पहले 3-4 किस्त जारी की गई। अब उन किस्तों को कुछ पता नहीं है। लगता है जिला पंचायत और तालुक पंचायत के चुनाव के समय शायद महिलाओं को किस्त मिले। स्कूली बच्चे और कॉलेज के छात्र मुफ्त बस यात्रा के लिए जूझ रहे हैं। उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

भाजपा के सदस्यता अभियान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान से महिला मोर्चा मजबूत हुआ है साथ ही निरन्तर संघर्ष का ही परिणाम है कि नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में यह भाजपा दोबारा सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बेंगलूरु-मैसूरु पदयात्रा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मेरी पहली यात्रा थी। पदयात्रा में महिलाओं ने शामिल होकर पदयात्रा को एक नई गति प्रदान की। इसके लिए उन्होंने महिला मोर्चे को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमने राज्य में अनेक पदयात्राएं देखी हैं। येडीयुरप्पा, अनंतकुमार, वीएस आचार्य जैसे वरिष्ठों ने पदयात्रा कर संघर्ष किया। उनकी पदयात्रा के लिए भी मात्र पांच दिन का समय मिला था। सभी वरिष्ठ चिंतित थे कि कैसे होगी पदयात्रा, लेकिन सभी कार्यकर्ताओं और जनता के सहयोग से पदयात्रा राज्य के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाने वाला आंदोलन रहा।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के. मंजुला ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा होने पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी सोनल बेन पटेल, विधान परिषद सदस्य प्रतापसिम्हा नायक, डॉ. शोभा, महिला मोर्चा प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने केंद्रीय वक्फ संशोधन विधेयक को स्वीकार न करने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड ने प्रस्तावित केंद्रीय वक्फ संशोधन विधेयक पर अपना कड़ा विरोध व्यक्त किया है। आवास एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ज़मीर अहमद खान और राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अनवर बाशा की अध्यक्षता में वक्फ बोर्ड की प्रशासनिक समिति की बैठक के दौरान संशोधन का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद, मंत्री और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद ने प्रस्ताव की एक प्रति मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सौंपी और उनसे संशोधन का विरोध करते हुए केंद्र सरकार को पत्र लिखने का आग्रह किया। वक्फ बोर्ड की प्रशासनिक समिति ने कहा कि वह केंद्र सरकार द्वारा गठित संयुक्त सलाहकार समिति को कोई जानकारी नहीं देगी। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड एक स्वायत्त निकाय है और प्रस्तावित संशोधन समुदाय के हितों के खिलाफ है। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी चिंता से अवगत कराया और कहा कि संशोधन के पीछे की मंशा कुछ और हो सकती है। बैठक में यह भी सिफारिश की गई कि राज्य सरकार आगामी सत्र में निंदा प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजे।

बैठक में वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अनवर बाशा, सदस्य मौलाना शफी सादी, जी. याकूब, एडवोकेट रियाज, एडवोकेट आसिफ अली और मौलाना अजहर आबिदी मौजूद थे।

विरोध

गुरुवार को कोडागु जिले के मुरनाड में कोडवा नेशनल काउंसिल के सदस्यों ने रिसॉर्ट डेवलपर्स और कॉर्पोरेट घरानों द्वारा कावेरी जलग्रहण क्षेत्र में प्राचीन भूमि के बड़े पैमाने पर रूपांतरण और निपटान के खिलाफ एक शांतिपूर्ण मानव श्रृंखला विरोध प्रदर्शन किया।

उपकरों, अधिभारों को सकल-कर राजस्व के पांच प्रतिशत तक सीमित रखा जाए : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 16वें वित्त आयोग से बृहस्पतिवार को अनुरोध किया कि वह उपकर और अधिभार को सकल कर राजस्व के पांच प्रतिशत पर रखने की सिफारिश करें तथा इससे अधिक राशि को विभाजन योग्य कर राशि में शामिल करना चाहिए। यहां एक बैठक में 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया और उसके सदस्यों से उन्होंने यह भी सिफारिश करने का अनुरोध किया कि केंद्रीय करों में विभाजन योग्य राशि में से कम-से-कम 50 प्रतिशत हस्तांतरण होना चाहिए।

सिद्दरामय्या ने कहा कि आवश्यक संविधान संशोधन लाकर केंद्र के सभी गैर-कर राजस्व को विभाजन योग्य केंद्र करों में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से उन्नत राज्य गरीब राज्यों को सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह उनके अपने निवासियों या आर्थिक दक्षता की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

सिद्दरामय्या ने कहा, इसके अलावा, ऐसे राज्यों के करदाता उम्मीद करते हैं कि उनके कर का इस्तेमाल उनके लिए होगा। इससे जनता में विश्वास उत्पन्न होता है। इसलिए वित्त आयोग को दक्षता और प्रदर्शन के साथ समानता को संतुलित करते हुए कड़ी मेहनत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15वें वित्त आयोग के बराबरी को दिए गए असंगत महत्व के कारण कर्नाटक और इसी प्रकार के राज्यों को वित्तीय व जनसंख्या दोनों दृष्टि से अपने अच्छे प्रदर्शन के बावजूद खामियाजा भुगतना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि उपकर व अधिभार को विभाजन योग्य कर राशि का हिस्सा नहीं हैं, पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने उन पर अपनी निर्भरता बढ़ा दी है। इससे विभाजन योग्य राशि सकल कर राजस्व के समान अनुपात में नहीं बढ़ रही है। इससे सभी राज्यों को काफी नुकसान हुआ है। सिद्दरामय्या ने कहा कि विभाज्य 'पूल' से उपकर व अधिभार को साझा न करने के कारण कर्नाटक को 2017-18 से 2024-25 की अवधि में 53,359 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र से वित्तीय हस्तांतरण में कमी से राज्यों के भौतिक तथा मानवीय बुनियादी ढांचे में निवेश करने को लेकर हाथ बांध दिए हैं।

आईटीआई लि. को प. बंगाल राज्य चुनाव आयोग से अपना पहला ईवीएम ऑर्डर मिला

बेंगलूरु/कोलकाता

देश में दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आईटीआई लिमिटेड को पश्चिम बंगाल के राज्य चुनाव आयोग से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के 500 सेटों की आपूर्ति के लिए अपना पहला ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर कोलकाता में आयोग के सामने सफल प्रदर्शन के बाद दिया गया है। स्वदेशी मल्टी पोस्ट ईवीएम को आयोग/तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा अंतिम रूप दिए गए निर्देशों के अनुसार आईटीआई लि. द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। इसे राज्य चुनाव आयुक्तों की स्थायी समिति द्वारा मंजूरी दी गई है।

इस मल्टी पोस्ट ईवीएम का इस्तेमाल ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं, निगमों या ऐसे किसी भी संस्थान में स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए किया जा सकता है, जहां लोकतांत्रिक पद्धति से मतदान की जरूरत होती है। बताया गया कि इस ईवीएम का इस्तेमाल लोकसभा और विधानसभा चुनावों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सिंगल पोस्ट मशीन के रूप में भी किया जा सकता है।

फास्ट-ट्रैक आधार पर होगी डिलिवरी

यह प्रॉडक्ट आईटीआई लिमिटेड के कारखानों में चुनाव आयोग की तकनीकी विशिष्टताओं के अनुरूप निर्मित किया जाएगा। वहीं, गुणवत्ता मानदंडों का पालन करते हुए तथा पश्चिम बंगाल के राज्य चुनाव आयोग को दी गई प्रतिबद्धताओं के अनुसार फास्ट-ट्रैक आधार पर डिलिवर किया जाएगा।

'सबसे बड़े लोकतंत्र को बनाएंगे सशक्त और समृद्ध'

ऑर्डर मिलने पर टिप्पणी करते हुए आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'आईटीआई लिमिटेड को पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के लिए ईवीएम बनाने का पहला ऑर्डर मिलने पर खुशी है। हम इस अवसर का उपयोग आईटीआई लि. को एक प्रौद्योगिकी निर्माता के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए करना चाहेंगे, चूंकि हम भारत में ईवीएम निर्माताओं की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'आईटीआई लि. इस बात से बहुत गौरवान्वित है कि हमारे द्वारा निर्मित उपकरण, सभी प्रकार के लोकतांत्रिक चुनावों के लिए ईवीएम उपलब्ध कराकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को सशक्त और समृद्ध बनाएंगे।' राय ने कहा, 'आईटीआई लि. अन्य राज्य चुनाव आयोगों के साथ भी ईवीएम की व्यावसायिक संभावनाएं तलाश रहा है, ताकि हम अखिल भारतीय स्तर पर जरूरतों को पूरा करते हुए अपने गुणवत्तापूर्ण प्रॉडक्ट की पेशकश कर सकें।'

सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल कप मेघालय ने जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सब-जूनियर बॉयज (अंडर-15) के लिए सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट का 63वां संस्करण बुधवार को एएससी, बेंगलूरु में संपन्न हुआ। यह इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट 19 अगस्त को वायुसेना स्टेशन, जालाहल्ली में उद्घाटन मैच के साथ शुरू हुआ था। टूर्नामेंट के दौरान टीमों को आठ समूहों में विभाजित किया गया था। बेंगलूरु में वायुसेना और थल सेना की विभिन्न इकाइयों की 38 टीमों के बीच लीग चरण से फाइनल तक कुल 71 मैच खेले गए। टूर्नामेंट का फाइनल मैच एएससी ग्राउंड में मेघालय और उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया। इसमें मेघालय तीन गोल से उत्तर प्रदेश को हराकर चैंपियन बना। अभिषेक पटेल (उप्र) टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एओसी-इन-सी प्रशिक्षण कमान, एयर मार्शल नागेश कपूर ने खिलाड़ियों और आयोजन समिति को संबोधित किया। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन तथा खेल भावना को बनाए रखने के लिए अधिकारियों और आयोजन समिति की भी सराहना की।

एसआईटी ने उच्च न्यायालय से प्रज्ज्वल की जमानत याचिका पर बंद कमरे में सुनवाई का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह जनता दल सेक्युलर (जद एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं पर बंद कमरे में सुनवाई करे। रेवन्ना पर कई महिलाओं से बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। एसआईटी की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक रविवर्मा कुमार ने की और सुनवाई के दौरान उन्होंने पीड़ित शिकायतकर्ता की पहचान उजागर नहीं हो इसलिए बंद कमरे में कार्यवाही की मांग की।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि याचिका पर निर्णय मुख्य न्यायाधीश लेंगे। प्रज्ज्वल के वकील ने भी कुछ मोहतल मांगी। इसके बाद अदालत ने सुनवाई पांच सितंबर तक स्थगित कर दी और कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें नरमी बरती जा सके। प्रज्ज्वल रेवन्ना 31 मई से न्यायिक हिरासत में है। आपराधिक जांच विभाग के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार और उसके पिता एवं विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आरोपपत्र हाल में दायर किया है। आरोपपत्र में लगभग 150 गवाहों के बयान हैं और उन्हें एक विशेष अदालत में पेश किया गया और यह परिवार की घरेलू सहायिका के कथित यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों में से एक से जुड़ा है।

बारिश

गुरुवार को बेंगलूरु में आई बारिश के चलते शेषाद्रीपुरम् रोड पर यातायात धीमा हो गया।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्राकृतिक खेती जरूरी : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने स्वच्छ पर्यावरण के लिये प्राकृतिक खेती अपनाये जाने पर बल देते हुये कहा है कि रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से जमीन की उर्वरा शक्ति क्षीण हो रही है तथा इनके अंधाधुंध उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोगियों की संख्या भी बढ़ रही है। बागड़े गुरुवार को कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप में ..प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम..विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले तक कोई भी रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं करता था। परिस्थितिवश इनका उपयोग शुरू हुआ। आज इन उर्वरकों के अनेक दुष्परिणाम हमारे सामने हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये गांव का पानी, गांव में ही रुके, ऐसे प्रयास किये जायें। उन्होंने शून्य खर्च आधारित खेती के बारे में बताया और कहा कि यह भूमि अन्नपूर्णा है। सकारात्मक तरीके से इसका जितना उपयोग करेंगे, यह अधिक लाभ देगी।

उन्होंने कहा कि एक दौर था, जब देश के 40 करोड़ लोगों का पेट भरने हमारे पास पर्याप्त अन्न नहीं था। इस दौर में हमारे अन्नदाताओं ने भरपूर मेहनत की। इसकी बदौलत आज 140 करोड़ देशवासियों का पेट भरने के बाद भी हमारे अन्न के भंडार भरे हुये हैं। उन्होंने कृषि के साथ गोपालन करने का आह्वान किया। प्रदेश की गो आधारित सहकारिता कार्यों की सराहना की और कहा कि कृषि और पशुपालन से किसानों की आय बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी से प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने ऐसे आयोजन समय-समय पर आयोजित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कृषि और कृषक कल्याण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मोदी के नेतृत्व में किसानों का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और कहा कि हमें प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा।

उन्होंने स्वामी केशवानंद के शिक्षा के विकास में दिये गए योगदान को याद किया और कहा कि नौ दिसंबर 1925 को महाराजा गंगासिंह ने नहर लाने की कार्ययोजना शुरुआत की। उसके सौ वर्ष पूर्ण होने पर श्बीकानेर के सुशासन के सौ वर्षश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें उद्योग, साहित्य, कृषि, पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उल्लखेनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने श्रीअन्न (मोटे अनाज) को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई और कहा कि राजस्थानी वनस्पति फोगला, केर, सांगरी और तुंबा आदि पर अनुसंधान किये जाने की जरूरत है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्राकृतिक खेती हमारी प्राचीनतम पद्धति है। यह भूमि का प्राकृतिक स्वरूप बनाए रखती है। इस खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित कर रहा है। मानव के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा कि मोदी का स्वप्न है कि देश का किसान खुशहाल हो।

विधायक पर हमले की कोशिश, सीआरपीएफ का पूर्व जवान गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के सचेतक एवं विधायक रफीक खान पर एक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को यहां हमला करने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसे रोक लिया और उसकी पिटाई कर दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार आरोपी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का पूर्व सहायक कमांडेंट है जिसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। सदर थाने के थानाधिकारी बलबीर कस्वां ने बताया कि सीआरपीएफ के पूर्व सहायक कमांडेंट एवं झुंझुनू निवासी विकास जाखड़ बृहस्पतिवार को जयपुर के आदर्श नगर विधायक के आवास पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि जाखड़ की किसी बात को लेकर विधायक से तीखी बहस हुई और जाखड़ ने विधायक का कॉलर पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि इससे पहले कि जाखड़ कुछ और कर पाते वहां मौजूद लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी।

एसएचओ ने बताया कि 39 वर्षीय आरोपी जाखड़ ने 2021 में सीआरपीएफ से इस्तीफा दे दिया और वे शौर्य चक्र विजेता हैं। उन्होंने कहा, जाखड़ ने आरोप लगाया है कि विधायक उसकी पत्नी को परेशान कर रहे थे, इसलिए उसने गुस्से में ऐसा किया। उन्होंने बताया कि आरोपी को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

माउंट आबू और श्रीगंगानगर में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का दौर जारी और बीते 24 घंटे में माउंट आबू तथा श्रीगंगानगर में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ बारिश हुई। इस दौरान श्रीगंगानगर जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। इसके अनुसार, सबसे अधिक बारिश श्रीगंगानगर के जैतसर में 80 मिलीमीटर और माउंट आबू में 49 मिलीमीटर बारिश हुई।

इसके अलावा अलवर, भरतपुर, बाड़मेर और उदयपुर जिले में कई जगह मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के अधिकांश भागों में भारी बारिश की गतिविधियों में कल से कमी आई है और आगामी 24 घंटे में भरतपुर, जयपुर और उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके अनुसार 30 अगस्त से एक सितंबर तक केवल कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।

वहीं, दो सितंबर से कोटा, उदयपुर, भरतपुर संभाग में बारिश की गतिविधियों में पुनः बढ़ोतरी होने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश के दौर शुरू होने की प्रबल संभावना है।

इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 28-29 अगस्त को हल्की मध्यम बारिश की संभावना है। इसके साथ ही 30 अगस्त से तीन सितंबर के दौरान अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा केवल कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है।

राजस्थान में नवाचार से आकर्षित होंगे देशी-विदेशी पर्यटक : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी और मध्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार, पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने, सांभर और खींचन को विकसित करने, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ाने जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए पर्यटन के ढांचागत विकास विकास का कार्य सघनता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिरों और धार्मिक स्थलों का नवीनीकरण किया जाएगा, जिसमें मरम्मत, आगंतुक सुविधा में वृद्धि और पहुंच में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य इन स्थलों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित करना और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना है।

उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन मंत्रालय के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की जिसने राजस्थान में पर्यटन के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय हैं। जीवन, संस्कृति, विरासत, कला, शिल्प, विविध भूभाग, किले, महल, रेगिस्तान, पहाड़ियाँ, बाघ पार्क, अभयारण्य सब कुछ राजस्थान की विशेषता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान 9 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का घर है। यहां छह विश्व प्रसिद्ध

पहाड़ी किलों सहित, 4 राष्ट्रीय उद्यानों और 25 से अधिक वन्यजीव अभयारण्यों के साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक और वन्य जीवन अनुभव प्रदान करता है। राज्य में थार रेगिस्तान से लेकर हरे-भरे अरावली पर्वतमाला के विविध परिदृश्य, लोक संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपराएं, मसालेदार और विविध व्यंजनों का स्वाद और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का अनुभव है जो इस क्षेत्र की विशेषता है। राजस्थान पर्यटन के सभी प्रकार के यात्रा कार्यक्रम और बजट वर्गों को पूरा करता है।

राजस्थान विजन 2047 - विकसित राजस्थान के लक्ष्य के साथ, अब हम राज्य को एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य में बदलना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का विकास कर रहे हैं। इस वर्ष के बजट में, हमने राजस्थान पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष (आरटीआईसीएफ) बनाया है और हमारा लक्ष्य पर्यटन अवसंरचना, आधुनिक सुविधाओं, पर्यटन सूचना केंद्रों और आतिथ्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उन्नत करने में 5000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करना है।

मंदिरों, बावड़ियों और संग्रहालयों सहित विरासत स्थलों के संरक्षण और नवीनीकरण के साथ-साथ विरासत पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, ग्रामीण, पर्यावरण और साहसिक पर्यटन पर हमारा विशेष ध्यान है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, योजना सांभर झील और खींचन संरक्षण रिजर्व जैसे प्रमुख प्राकृतिक स्थलों पर केंद्रित है। भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय नमक झील और एक जैव विविधता हॉटस्पॉट, जो अपनी जीवंत राजहंस आबादी और विरासत मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। हम इस क्षेत्र को एक लक्जरी पर्यावरण-अनुकूल टेंट सिटी, उन्नत आगंतुक सुविधाओं और बेहतर सड़क पहुंच के साथ एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन विकास को संतुलित करते हुए पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचे का विकास करना है।

हमारी सरकार के समय ब्यूरोक्रेसी को लेकर लगाए भाजपा के आरोप गलत साबित हुए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय ब्यूरोक्रेसी को लेकर लगाये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोप गलत साबित हो गए हैं। गहलोत ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि हमारी सरकार के दौरान भाजपा ने प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी पर तमाम आरोप लगाए थे। हमारी सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आरएएस, आरपीएस की नियुक्तियों पर भाजपा के साथी अनर्गल टिप्पणियां करते थे।उन्होंने कहा कि आज सरकार के करीब आठ महीने हो जाने के बाद भी सरकार चलाने वाले प्रमुख पदों पर हमारी सरकार के समय लगाए गए अधिकारी ही काबिज हैं। यह दिखाता है कि हमारी सरकार द्वारा की गईं नियुक्तियां पूरी तरह उचित थी एवं भाजपा के आरोप पूरी तरह गलत साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि तबादला सूची के इंतजार में अब अधिकारियों के बीच भी असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है जिसके कारण जनता के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि निकट भविष्य में कोई तबादला सूची नहीं आएगी जिससे अधिकारी अनिश्चितता की स्थिति को छोड़कर काम कर सकें।

मुंबई में आज आयोजित होगा 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 का पहला रोड शो

जयपुर/दक्षिण भारत । इस साल दिसंबर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 का पहला रोड शो 30 अगस्त 2024 को मुंबई में आयोजित होने जा रहा है। देशी-विदेशी उद्योग और कॉरपोरेट जगत को राजस्थान में निवेश हेतु आमंत्रित करने के लिए हो रहे इस रोड शो में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खुद कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में निवेश संबंधी कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू / चेणी) पर हस्ताक्षर, राइजिंग राजस्थान वेबसाइट का शुभारंभ, मुख्यमंत्री की उद्योग जगत के कई दिग्गजों और बड़ी हस्तियों से आमने-सामने की चर्चाएं वगैरह भी होगी। इस दौरान उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे।

मुंबई रोड शो के दौरान उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां, जिन्होंने पहले से राजस्थान में निवेश कर रखा है, वो राज्य में निवेश से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करेंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य में हो रहे औद्योगिक परिवर्तन और बुनियादी ढाँचे के निर्माण के बारे में इन दिग्गजों ने जो देखा है, उसके बारे में भी ये बात करेंगे। इसके अलावा, यह रोड शो 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ाएगा तथा उद्योग व कॉरपोरेट जगत के दिग्गजों और बड़े निवेशकों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी दिखायी जाएगी, जो राज्य के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अवसर एवं तेजी से हो रहे निवेश जैसी कई बातों को दर्शाएगी।

बूंदी में पुलिस की कार्रवाई, 18 महीने से फरार लुटेरी दुल्हन सहित दो दलाल गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। जिले की रायथल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार लुटेरी दुल्हन और उसके दो दलालों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर एक-एक हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। लुटेरी दुल्हन और दलाल पिछले 18 माह से फरार थे। पुलिस ने ऋतू वर्मा पत्नी मनोहर, जाति कोरी, उम्र 37 साल, निवासी नारायण सेट कम्पाउंड, पाटनीपुरा, थाना एलाईजी, जिला इंदौर, सविता चावरे पत्नी अविनाश चावरे उर्फ आशीष, जाति वाल्मिकी, उम्र 37 साल, निवासी 196 रो हाउस पिंक सिटी, निरंजनपुर, थाना लसुडिया, जिला इंदौर, लखन चौहानरू पुत्र मांगीलाल चौहान, जाति ओड राजपूत, उम्र 44 साल, निवासी जिला खंडवा को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के लिए थानाधिकारी सुरजीत सिंह, हेडकंस्टेबल हनुमान, कांस्टेबल हरदयाल, मनीषा और ब्रजमोहन मीणा विशेष भूमिका रही। आरोपियों को पकड़ने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जिला पुलिस

अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि आरोपी समना शर्मा, सविता चावरे, और लखन बौहान ने 14 फरवरी 2023 को ऋतू वर्मा की शादी महावीर शर्मा निवासी खटीयाड़ी से करवाई थी और दो लाख 20 हजार रुपये हड़प लिए। शादी के चार दिन बाद ही दुल्हन ऋतू वर्मा फरार हो गई।

इसके बाद रायथल थाने में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच में पाया गया कि सपना शर्मा, ऋतू वर्मा, सविता चावरे और लखन बौहान ने अपनी पहचान बदलकर इंदौर, मध्यप्रदेश की अलग-अलग कॉलोनियों में निवास कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना रायथल में धारा 420, 406 के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। इनमें पहले सपना शर्मा को गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि ऋतू वर्मा, सविता चावरे और लखन चौहान 18 महीने से फरार थे। पुलिस द्वारा विशेष टीम का गठन कर इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा था और आखिरकार इंदौर की विभिन्न बस्तियों से इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तीन मार्च 2023 को महावीर प्रसाद शर्मा ने रायथल थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी रिश्तेदार सपना शर्मा ने ऋतू वर्मा, सविता चावरे और लखन चौहान के साथ मिलकर उन्हें धोखे में डालकर 2 लाख 20 हजार रुपये हड़प लिए। सपना शर्मा ने ऋतू वर्मा की शादी महावीर शर्मा से करवाई और शादी के मात्र चार दिन बाद ही ऋतू वर्मा फरार हो गई।

'पोषण भी पढ़ाई' भी विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) ओपी बुनकर के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को आईजीपीआर संस्थान में आईसीडीएस, राजस्थान और राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बुनकर ने प्रशिक्षण कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए बताया कि समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा'(ईसीसीई) के अंतर्गत उनकी क्षमता वर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस प्रशिक्षण के लिए जिला उपनिदेशकों, सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षकों का दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इसके लिए निपसिड द्वारा ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रशिक्षण करवाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री-स्कूल अनौपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है, साथ ही पोषण पर ध्यान केंद्रित करना है। इसके अंङ्कतर्गत प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर अपनाई जाने वाली प्रथाओं की बुनियादी समझ प्रदान की जाती है।

बुनकर ने कहा कि राज्य में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं एनीमिक हैं। महिलाओं को एनीमिया से बचाना हमारी प्राथमिकता में है। गर्भवती और धात्री माताओं को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने आंगनबाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्री स्कूल, बालबाड़ी में बच्चों के शारीरिक विकास के साथ ही उसका मानसिक विकास किया जाना लक्षित है। उन्होंने कहा कि बच्चों पर पढ़ाई का ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।

केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की धरातल तक हो पहुंच : यादव

जयपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में खैरथल-तिजारा में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यादव ने खुशखेड़ा भिवाड़ी नीमराना इन्वेस्टमेंट रीजन (केबीएनआईआर) इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फूड पार्क तिजारा, एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, सीईटीपी अपग्रेडेशन एवं 34 एमएलडी एसटीपी आदि महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि केबीआईएनआर प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर लगभग 40 हजार करोड रुपए का निवेश संभावित है। केंद्रीय मंत्री ने भिवाड़ी में जल प्रदूषण के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा किये गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी अधिकारी केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ पहुँचा आमजन को राहत प्रदान करें।

यादव ने निर्देश दिए कि बाबा मोहन राम स्थित 100 हेक्टेयर भूमि पर 50-50 हेक्टेयर के दो स्लॉट बाबा मोहन राम ए और बाबा मोहन राम बी को ब्लॉक में वर्गीकृत करते हुए भिवाड़ी स्थित सोसाइटी, एनजीओ संस्थाओं, ग्राम, एनसीसी, एनएसएस इत्यादि को आवंटित कर वृहत स्तर पर वृक्षारोपण करें। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा प्रारम्भ एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण कर मां के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कहरानी में भी सघन वृक्षारोपण कर बायोडायवर्सिटी पार्क बनाया जाएगा। उन्होंने जन सहभागिता द्वारा भिवाड़ी स्थित सोसायटी पार्क के रखरखाव एवं विकास के लिए सीईओ बीड़ा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय वन मंत्री ने भिवाड़ी क्षेत्र में बन रहे खेल स्टेडियम में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार करने के लिए एक्सटेंशन कर पुनः प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए, साथ ही ऑडिटोरियम निर्माण के लिए भी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। टेक्नोलॉजी सेंटर में चलाए जा रहे कोर्सेज का व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिले के सभी स्कूल प्रिंसिपलों की बैठक आयोजित कर जागरूक करने के निर्देश दिए जिससे स्थानीय युवाओं में स्किल डेवलपमेंट कर रोजगार दिलाया जा सके।

जलवायु परिवर्तन पर कड़ा रुख अपनाना लोकतंत्र में हमेशा व्यावहारिक नहीं होता: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कई पहल काफी हद तक जनता के समर्थन पर निर्भर करती हैं और एक लोकतांत्रिक देश में कड़ा रुख अपनाना हमेशा व्यावहारिक नहीं हो सकता। एसोचैम के यहां आयोजित पर्यावरण और कार्बन सम्मेलन को संबोधित करते हुए पर्यावरण राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि कर्नाटक के एक दूरदर्शी मुख्यमंत्री को ''किसानों के लिए पानी के उपयोग'' पर कर लगाने का निर्णय लिए जाने के तुरंत बाद सत्ता से बाहर कर दिया गया था।

मंत्री ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए बहुत सी पहल लोगों पर काफी अधिक निर्भर हैं और एक लोकतंत्र होने के नाते, आप जानते हैं कि इसका क्या मतलब है... कभी-कभी, सही रुख अपनाना, कठोर रुख अपनाना एक लोकतांत्रिक देश होने के संदर्भ में बहुत व्यावहारिक नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा कि उनके गृह राज्य उत्तर प्रदेश में किसान बहुत खुश हैं क्योंकि उनके पास ''जितना चाहें उतना पानी निकालने की पूरी शक्ति'' है। सिंह ने कहा, ''हाल के चुनावों में, यह सकारात्मक तरीके से बात करने का विषय था क्योंकि आपको वोट चाहिए। इसलिए, हम कहेंगे कि हमारे पास आज सिंचाई के इतने संसाधन हैं कि हमारा किसान बस पंप चालू करता है, सोने के लिए घर चला जाता है... और सुबह जब वह खेत पर वापस आता है, तो न वह केवल अपने खेतों की सिंचाई कर चुका होता है, बल्कि अपने पड़ोसियों के खेतों को भी भर चुका होता है। इसकी बहुत सराहना होती है, जबकि वास्तव में यह हमारे जल संसाधनों की बर्बादी है।''

असम के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से मुख्यमंत्री शर्मा को बर्खास्त करने का आग्रह किया

गुवाहाटी/भाषा। असम के संयुक्त विपक्षी मंच (यूओएफए) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने तथा अपने बयानों से समुदायों के बीच तनाव पैदा करने का आरोप लगाया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुख्यमंत्री को पद से हटाने की मांग की। कांग्रेस से लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई और यूओएफए के महासचिव लुरिनज्योति गोगोई के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाते हुए विधानसभा समेत अन्य स्थानों में भड़काऊ बयान दिए हैं। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि एक वर्ष पहले शर्मा ने कुछ युवकों को गुवाहाटी से उन अल्पसंख्यकों को बाहर निकालने के लिए उकसाया था, जो सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक, निजी चालक और निर्माण मजदूर के रूप में काम कर रहे थे।

झारखंड: स्टाफ की कमी से जूझ रहे सरकारी अस्पतालों में निजी डॉक्टर करेंगे इलाज

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने सरकारी अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए निजी चिकित्सकों से उपचार कराने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को यहां एक समारोह में 365 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार राज्य में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। हमने इस संबंध में कई पहल की हैं और एक ऐसी प्रणाली विकसित कर रहे हैं, जिससे लोगों को दूसरे राज्यों में उपचार कराने की जरूरत न पड़े।''

राज्य के स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा, ''विशेष रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से निपटने के लिए सरकार ने इन चिकित्सा संस्थानों में निजी चिकित्सकों को इलाज करने की अनुमति देने का फैसला किया है। उन्हें उनकी सेवाओं के लिए उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।'' मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य केंद्रों, अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की सफाई, मरम्मत और रखरखाव में सुधार के उद्देश्य से हाल ही में शुरू की गई योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। इन उद्देश्यों के लिए पांच करोड़ रुपए का वार्षिक बजट आवंटित किया गया है। सोरेन ने कहा, ''उप-स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दो लाख रुपए, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पांच लाख रुपए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 10 लाख रुपए, उप-मंडलीय अस्पतालों के लिए 50 लाख रुपए और जिला अस्पतालों के लिए 75 लाख रुपए सालाना साफ-सफाई और रखरखाव के लिए रखे गए हैं।''

समाजवादी पार्टी की टोपी लाल, कारनामे काले : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की 'टोपी लाल लेकिन कारनामे काले' हैं।

मुख्यमंत्री ने कानपुर के चुन्नीगंज में एक सभा में सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 750 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा, ''समाजवादी पार्टी के कारनामों से हर कोई परिचित है। पन्ने पलटेंगे तो पाएंगे कि इनका इतिहास काले कारनामों से भरा है। समाजवादी पार्टी की टोपी लाल, लेकिन कारनामे काले हैं। उन्होंने कहा, ये लोग इतिहास को दोहरा रहे हैं। गुंडागर्दी, अराजकता, बेटी, व्यापारी की सुरक्षा पर खतरा पैदा करना इनकी पहचान थी। इनका दिखाने वाला और असली चेहरा अलग-अलग है। इनकी वजह से सीसामऊ की जनता को उपचुनाव का सामना करना पड़ रहा है।''

सीसामऊ विधानसभा सीट से सपा के विधायक इरफान सोलंकी को एक महिला का घर जलाने के मामले में स्थानीय अदालत ने पिछले साल जून में सात साल की सजा सुनायी थी। इसके बाद उनकी सदस्यता रद्द होने के चलते इस सीट पर उपचुनाव होना है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''सपा वाले गरीबों की संपत्ति पर कब्जा करते और दंगे भड़काते हैं। यहां उस दिन दंगे भड़काने की साजिश हो रही थी, जब इसी माटी के सपूत राष्ट्रपति कानपुर आए थे, तब सीसामऊ का सपा विधायक (तत्कालीन विधायक इरफान सोलंकी) सीसामऊ व कानपुर को दंगे की आग में झोंकने की साजिश कर रहा था। अब वह अपने कृत्यों की सजा भुगत रहा है। जनता-जनार्दन ने जनादेश पांच वर्ष के लिए दिया था, लेकिन अब उपचुनाव झेलना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अयोध्या में सपा का नेता निषाद बेटी की इज्जत से खिलवाड़ करता है, लेकिन सपा मुखिया उस बेशर्म के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय बेशर्मी से उसका समर्थन कर रहे थे। लखनऊ में एक बेटी पिता के साथ मोटरसाइकिल से जा रही थी तब बरसात में पानी भरने पर सपा के गुंडे बेटी को परेशान करने लगे। तब इनके एक नेता ने सदन में कहा था कि सद्भावना ट्रेन चलनी चाहिए, जिसपर मैंने कहा था कि माफिया-गुंडों के लिए सद्भावना नहीं, बुलेट ट्रेन चलेगी।''

राष्ट्रपति को किसी एक राज्य नहीं, पूरे देश के आक्रोश को व्यक्त करना चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कोलकाता में महिला चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना की पृष्ठभूमि में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा की गई टिप्पणी का बृहस्पतिवार को स्वागत किया और साथ ही यह भी कहा कि यह अच्छा रहेगा कि वह किसी क्षेत्र या राज्य विशेष का नहीं, बल्कि पूरे देश के आक्रोश को व्यक्त करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'पीटीआई-भाषा' के लिए एक विशेष लेख में महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर आक्रोश जाहिर करने के साथ ही इस पर अंकुश लगाने का आह्वान करते हुए कहा था कि बस! बहुत हो चुका। राष्ट्रपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत ऐसी ''विकृतियों'' के प्रति जागरूक हो और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को ''कम शक्तिशाली'', ''कम सक्षम'' और ''कम बुद्धिमान'' के रूप में देखती है। राष्ट्रपति मुर्मू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, ''मैं राष्ट्रपति के इस बयान और इस हस्तक्षेप का स्वागत करता हूं। पूरा देश गुस्से में है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राष्ट्रपति उस आक्रोश का प्रतिनिधित्व करती हैं जो देश महसूस कर रहा है, लेकिन देश का आक्रोश सिर्फ कोलकाता घटना को लेकर नहीं है। फर्रुखाबाद, कोल्हापुर, बदलापुर, पुणे, रत्नागिरि, जोधपुर, कटनी, ऐसे न जाने कितनी घटनाएं हुई हैं।'' उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में रोजाना किसी न किसी घटना के बारे में सुनने को मिलता है। खेड़ा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति देश भर में व्याप्त आक्रोश का प्रतिनिधित्व करें तो अच्छा रहेगा।

ओडिशा: कांग्रेस ने आरक्षण नीतियों को लेकर राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की अपील की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में कांग्रेस विधायकों ने राज्य में तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाने के वास्ते बृहस्पतिवार को राज्यपाल रघुबर दास से हस्तक्षेप की मांग की। कांग्रेस विधायक पिछले कुछ दिनों से राज्य विधानसभा में इस मुद्दे को उठा रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक तारा प्रसाद बहिनीपति ने बृहस्पतिवार को शून्यकाल के दौरान फिर इस मुद्दे को उठाया और विधानसभा अध्यक्ष से इस पर व्यवस्था देने की मांग की। जब अध्यक्ष ने इस मामले पर कोई व्यवस्था नहीं दी तो कांग्रेस सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए रामचंद्र कदम के नेतृत्व में सदन से बहिर्गमन किया और राजभवन जाकर राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की।

राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस विधायकों ने कहा कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के साथ ''घोर अन्याय'' हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि ये समूह सामूहिक रूप से राज्य की आबादी का 94% हिस्सा हैं, जिसमें एससी-एसटी 40% और ओबीसी 54 प्रतिशत हैं। विधायकों ने कहा, दुर्भाग्यवश अपने महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय प्रतिनिधित्व के बावजूद वे राज्य की आरक्षण नीतियों के कारण उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में असमानता से पीड़ित हैं। ओडिशा में ओबीसी, एससी और एसटी छात्रों के लिए आरक्षण नीतियों में असमानता का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार रोजगार में एसटी के लिए 22.5 प्रतिशत, एससी के लिए 16.25 प्रतिशत और ओबीसी के लिए 11.25 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है।

मांडविया ने राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर 'रीसेट' कार्यक्रम शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर 'सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तिकरण प्रशिक्षण' (रीसेट) कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने उल्लेख किया कि रीसेट कार्यक्रम पीढ़ियों के बीच की खाई को पाटेगा जिससे देश के सेवानिवृत्त खिलाड़ियों के अद्वितीय कौशल से महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को लाभ मिलेगा।

खेल मंत्री ने रीसेट कार्यक्रम के बारे में विज्ञप्ति में कहा, ''रीसेट कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे उन सेवानिवृत्त खिलाड़ियों को सशक्त बनाना है जो देश के लिए खेले हैं और देश को गौरवान्वित किया।''

केंद्रीय मंत्री ने सभी सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से इस पहल के लिए आवेदन करने और देश के लिए सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया।

जो एथलीट सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्त हो चुके हैं और जिनकी उम्र 20-50 वर्ष के बीच है और जो अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता या अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में प्रतिभागी रहे हैं, राष्ट्रीय खेल महासंघों या भारतीय ओलंपिक संघ या खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय पदक विजेता या राज्य पदक विजेता या प्रतिभागी रहे हैं, वे रीसेट कार्यक्रम के तहत आवेदन करने के पात्र हैं।

ओडिशा विधानसभा में आरक्षण बढ़ाने और विकास कार्यों पर रोक को लेकर हंगामा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में बृहस्पतिवार को बीजू जनता दल (बीजद) के सदस्यों ने राज्य के सभी 314 प्रखंडों में विकास कार्यों पर कथित रोक को लेकर हंगामा किया, वहीं कांग्रेस ने तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा में आरक्षण बढ़ाने की मांग करते हुए विधानसभा से बहिर्गमन किया।

सदन में हंगामा को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने कार्यवाही को शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

ओडिशा के सभी 314 प्रखंडों में विकास कार्यों पर कथित रोक पर बीजद सदस्यों द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आसन द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने पर बीजद सदस्यों ने हंगामा किया।

कांग्रेस विधायकों ने राज्य में तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने की मांग उठाई और इस मामले पर अध्यक्ष से व्यवस्था देने की मांग की।

कांग्रेस विधायकों ने अध्यक्ष से कथित तौर पर जवाब नहीं मिलने पर सदन से बहिर्गमन किया।

भाजपा को नकारने के बजाय उसका समर्थन करे मुस्लिम समाज: नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बृहस्पतिवार को मुस्लिम समुदाय से आह्वान किया कि वह तथाकथित 'सेक्युलर सिंडीकेट' के जाल से बाहर निकले और भाजपा को नकारने के बजाय उसका समर्थन करे।

लखनऊ में आयोजित भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की सदस्यता अभियान प्रांतीय कार्यशाला में अपने संबोधन में नकवी ने कहा, ''सामन्ती सुल्तानों के तथाकथित सेकुलर सिंडीकेट के दुष्प्रचार से पैदा हुए भय-भ्रम के चलते एक राष्ट्रीय राष्ट्रवादी राजनीतिक दल (भाजपा) के साथ अस्पृश्यता व असहिष्णुता के रवैये को विश्वास में बदलना ही वक्त की मांग है।'' उन्होंने कहा, ''मुसलमान भाजपा को नकारने के बदले उसका समर्थन करें।'' पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के साथ हमारी (मुस्लिम समाज) आंख मिचौली से कुछ लोगों का काम बन रहा है और हमारा काम बिगड़ रहा है, इसका नतीजा यह हुआ है कि तथाकथित सेक्युलर सिंडिकेट मुसलमानों को अपने वोटों को अपनी जागीर समझ बैठा है। नकवी ने कहा कि दशकों से चले आ रहे मुसलमानों के 'भाजपा हराओ रिवाज को भाजपा जिताओ मिजाज' में बदलने के लिए हमें समाज के भय-भ्रम को भरोसे में बदलने के लिए भरसक प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि जब भाजपा किसी के विकास में कमी नहीं करती तो उसे वोट देने में कंजूसी करना नाजायज है। उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी-योगी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) ने 'तुष्टीकरण के सियासी छल को सशक्तिकरण के समावेशी बल' से ध्वस्त करके समावेशी विकास और सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण पर जोर दिया है, साथ ही वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

अपने शासन वाले राज्यों की घटनाओं पर आंखें मूंद लेती है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में महिलाओं के प्रति होने वाली घटनाओं पर राजनीतिक फायदे के लिए आवाज उठाती है, लेकिन अपने शासन वाले राज्यों में ऐसे मामलों पर नैतिकता के सभी दरवाजे बंद करके बैठ जाती है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यहां पार्टी राज्य मुख्यालय में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले और उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में दो लड़कियों की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले पर भाजपा के रुख का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भी पश्चिम बंगाल जैसी घटनाएं हो रही हैं, बच्चियों की हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, ''अभी फर्रुखाबाद में दो बालिकाओं की संदिग्ध मौत के मामले में भाजपा सरकार की चुप्पी विचलित करने वाली है। यादव ने कहा, भाजपा केवल राजनीतिक फायदे के लिए विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में आवाज उठाती है। लेकिन अपने शासन वाले राज्यों में महिला अपराधों के मामले में मुंह, आंख, कान और नैतिकता के सभी दरवाजे बंद करके बैठ जाती है। उल्लेखनीय है कि हाल में कोलकाता में एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले को लेकर देशभर में चिकित्सकों ने विरोध प्रदर्शन किया है।

बंगाल : ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को 'धमकी' देने के आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों के कनिष्ठ चिकित्सकों को कोई धमकी नहीं दी है। ये चिकित्सक आरजी कर अस्पताल की एक महिला चिकित्सक से कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में 21 दिन से हड़ताल कर रहे हैं।

बनर्जी ने कहा कि कुछ लोगों ने उन पर प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों को धमकी देने का आरोप लगाया है, जो ''पूरी तरह से गलत'' है और दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि मैंने (मेडिकल आदि) छात्रों या उनके प्रदर्शन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है। मैं उनके आंदोलन का पूरा समर्थन करती हूं। उनका आंदोलन जायज है। मैंने उन्हें कभी धमकी नहीं दी। धमकी देने का यह आरोप पूरी तरह से झूठा है।''

अरुणाचल प्रदेश में खेलों के विकास के लिए व्यापक खाका तैयार किया जाएगा : मुख्यमंत्री खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि उनकी सरकार राज्य में खेलों के विकास के लिए जल्द ही एक व्यापक खाका तैयार करेगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य पर ईटानगर में आयोजित समारोह के दौरान खांडू ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने 14 खेलों में राज्य के 87 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को नकद राशि भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से हमें गौरवान्वित करते हैं, इसलिए हम 'अरुणाचल ओलंपिक स्पोर्ट्स' मिशन शुरू कर रहे हैं।'' खांडू ने बताया कि उनकी सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में 2024-25 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार कौशल विकास, युवाओं को सफल उद्यमी बनाने और राज्य के विकास में सार्थक योगदान देने पर ध्यान देगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि युवाओं की मदद करने के लिए पहले ही एक 'स्टार्ट-अप मॉडल' तैयार कर लिया गया है। इस 'स्टार्ट-अप मॉडल' के जरिए युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थानों के माध्यम से नौ महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''इसके अतिरिक्त राज्य सरकार दुनिया में ख्याति बटोर चुके प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में वाणिज्यिक पायलट प्रशिक्षण के लिए 75 प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान करेगी, जिससे युवाओं को विश्व स्तरीय अवसर और समर्थन मिल सके।'' खांडू ने कहा, ''आज जब हम राष्ट्रीय खेल दिवस मना रहे हैं तो हम हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की महान विरासत का सम्मान करते हैं, जिनका खेलों में अद्वितीय योगदान हमें प्रेरित करता रहता है।''

उन्होंने कहा, राज्य सरकार फीफा मानकों के अनुरूप 25,000 से अधिक क्षमता वाला विश्व स्तरीय फुटबॉल स्टेडियम भी स्थापित करेगी। इससे न केवल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा बल्कि राज्य को वैश्विक खेल मंच पर भी स्थान मिलेगा।''

बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में होगा महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के अगले सत्र का आयोजन बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में 11 से 20 नवंबर तक होगा। देश में हॉकी की संचालन संस्था हॉकी इंडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

टूर्नामेंट का आयोजन हॉकी इंडिया और बिहार सरकार करेंगे और यह नव-विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेल जाएगा। पिछले साल हॉकी झारखंड ने रांची में महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी का सफल आयोजन किया था जिसका खिताब भारत ने जीता था।

गत चैंपियन भारत के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशियाई और थाईलैंड के इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों का स्वागत करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा, ''मैं आठवीं महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बिहार सरकार का समर्थन देने को पर बहुत खुश हूं। हम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली अंतरराष्ट्रीय टीमों का स्वागत करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद करते हैं कि इस प्रतियोगिता के लिए आने वाली हॉकी टीमें, अधिकारी और हॉकी प्रशंसक हमारे लोगों की मेहमाननवाजी का लुत्फ उठाएंगे, इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।''

एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, ''मैं पिछले साल भारत में पुरुष और महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी करने के बाद इस बड़े आयोजन की मेजबानी की जिम्मेदारी लेने के लिए हॉकी इंडिया के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि बिहार के राजगीर में होने वाली प्रतियोगिता झारखंड के रांची में आयोजित पिछले सत्र की तरह काफी सफल होगी।''

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, ''यह हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि यह पहली बार है जब बिहार में कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। हम इस प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए अवसर और समर्थन के लिए एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) और बिहार सरकार के आभारी हैं।''

सुविचार

सारे सबक़ किताबों में नहीं मिलते, कुछ सबक़ ज़िंदगी भी सिखाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे रुकें सड़क दुर्घटनाएं?

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और उनके प्रमुख कारणों का जिक्र कर एक गंभीर मुद्दा उठाया है, जिस पर सबको ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री का यह कहना चौंकाता भी है कि भारत में युद्ध, आतंकवाद और नक्सलवाद से भी ज्यादा लोगों की जानें सड़क दुर्घटनाओं में गई हैं! देश में हर साल लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं। उनमें 1.5 लाख लोग प्राण गंवाते हैं, जबकि तीन लाख लोग घायल होते हैं। यह उन परिवारों के साथ ही देश के लिए भी बड़ा नुकसान है। इससे भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत गंवा देता है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता, जब सड़क दुर्घटनाएं न हों। कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है तो स्थानीय प्रशासन सख्ती दिखाता है, वह भी कुछ ही दिनों के लिए। उसके बाद सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। गडकरी ने सत्य कहा कि 'हर दुर्घटना के बाद वाहन चालक को दोषी ठहरा दिया जाता है ... जबकि ज्यादातर दुर्घटनाएं सड़क इंजीनियरिंग में खामी की वजह से होती हैं।' दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिए लेन अनुशासन का पालन करवाने के साथ ही कई और कदम उठाने की जरूरत है। कोई दुर्घटना राजमार्ग पर हुई हो या गांव-शहर के स्थानीय मार्ग पर, उन सबके मूल कारणों का पता लगाकर उनमें सुधार के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। उदाहरण के लिए, सभी राजमार्गों की सुरक्षा के ऑडिट के अलावा वाहनों की फिटनेस, गति सीमा, सवारियों की संख्या के संबंध में नियमों का सख्ती से पालन करवाने की जरूरत है। इसके लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाकर वाहनों की आवाजाही पर नजर रखी जानी चाहिए। जो वाहन नियमों का उल्लंघन करता पाया जाए, उसके मालिक पर उचित जुर्माना लगाया जाए।

हालांकि केवल जुर्माना लगाने से सुधार नहीं हो सकता। अगर कस्बों से लेकर बड़े शहरों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की बात करें तो उनके पीछे ऐसे छोटे-छोटे कारण नजर आएंगे, जिन पर पहले ध्यान दिया होता तो कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता था। यह भी देखने में आता है कि कई दोपहिया वाहन चालक हेलमेट नहीं लगाते। उनमें से बहुत लोग अपने साथ हेलमेट रखते हैं, लेकिन वे उसे तब लगाते हैं, जब सामने यातायात पुलिस हो। उनके लिए अक्सर व्यंग्य में कहा जाता है कि लोग मोबाइल फोन खरीदते हैं तो उस पर कवर लगवाते हैं, ताकि वह गिरे तो टूट न जाए, जबकि खुद दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं लगाते, भले ही सिर फूट जाए! दुर्भाग्य है कि यातायात पुलिस के भी कुछ कर्मी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। वाहनों के चालकों से रिश्वत लेते हुए उनके वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बॉडीकैम तकनीक का सहारा लिया जा सकता है। हाल में अमेरिका में चर्चित घटनाक्रम में एक पुलिसकर्मी इस तकनीक से मिले साक्ष्यों के आधार पर सेवा से बर्खास्त किया गया था। उसने एक भारतीय छात्रा की दुर्घटना में मौत होने पर असंवेदनशील टिप्पणी की थी। भारत में यातायात संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति में सुधार के लिए प्रयासों को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। उदाहरण के लिए, अगर कोई दोपहिया वाहन चालक हेलमेट नहीं लगाए तो उससे जुर्माना जरूर वसूला जाए, इसके साथ-साथ उसे कम-से-कम दो हेलमेट तुरंत दे दिए जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को भी दो श्रेणियों में बांट सकते हैं- पहली, वे लोग जो अनजाने में ऐसा करते हैं। दूसरी, जो जानबूझकर और बार-बार नियम तोड़ते हैं। अनजाने में ऐसा करने वालों के साथ कुछ नरमी बरती जानी चाहिए। वहीं, जो लोग जानबूझकर और बार-बार ऐसा करते हैं, उन पर जुर्माना लगाने के अलावा सुधार के लिए विशेष नियमों की जरूरत है। खासकर उन लोगों को इसमें शामिल करना ही चाहिए, जो लापरवाही से वाहन चलाते हुए वीडियो रिकॉर्ड करते हैं और सोशल मीडिया पर खुद को किसी 'हीरो' की तरह पेश करते हैं। ऐसे लोगों से सामाजिक सेवा के कार्य करवाने चाहिएं, जैसे- सरकारी अस्पतालों, सार्वजनिक शौचालयों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों, उद्यानों, गौशालाओं आदि में सफाई। जो नागरिक यातायात नियमों का सही तरह से पालन करे, उसे 'पुरस्कृत' करना चाहिए। इसके लिए उसे पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की खरीद पर कुछ छूट दी जा सकती है। अन्य सेवाओं में भी रियायत मिलनी चाहिए। यातायात नियमों का पालन करने वाला ऐसा अनुशासित नागरिक देश को कई तरीकों से फायदा पहुंचाता है। उसे प्रोत्साहन जरूर मिलना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज के दिन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को भी श्रद्धापूर्वक नमन, जिनकी जयंती पर हर वर्ष हम खेल दिवस मनाते हैं। उनकी स्मृति हमें निरंतर उत्कृष्ट करने की प्रेरणा देती है।

-ओम बिरला

राजस्थान न केवल एक सुरक्षित राज्य बने, अपितु समग्र विकास में भी अग्रणी स्थान प्राप्त करे। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हमारी सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार, तथा नवीनतम तकनीकों के समावेश के लिए निरंतर प्रयासरत है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

न्याय के सबक

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. देवराज अर्स एक दिन अचानक गांव का दौरा करने पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि एक दलित परिवार को गांव के बाहर रहने के लिए मजबूर किया गया था। अर्स ने तुरंत गांव के प्रमुख लोगों को बुलाया और उनसे इस भेदभाव का कारण पूछा। गांव वालों ने कहा कि यह परंपरा है और वे इसे नहीं बदल सकते। उन्होंने उनकी बात सुनी और फिर एक अप्रत्याशित कदम उठाया। उन्होंने घोषणा की कि वे उस दलित परिवार के साथ रात्रि भोजन करेंगे और उनके घर में ही रात बिताएंगे। यह सुनकर गांव के लोग स्तब्ध रह गए। एक मुख्यमंत्री का दलित परिवार के साथ भोजन करना और उनके घर में रुकना उस समय एक बड़ा कदम था। उन्होंने न केवल भोजन किया, बल्कि पूरी रात उस परिवार के साथ बिताई और उनकी समस्याओं को सुना। अगले दिन सुबह उन्होंने गांव वालों को फिर से बुलाया। उन्होंने कहा कि अगर वे इस परिवार को गांव में नहीं रहने देंगे, तो वे खुद इस गांव में घर बनवाकर रहेंगे। गांव वालों ने अपनी गलती समझी और उस दलित परिवार को गांव में रहने की अनुमति दे दी।

सामयिक

पयुर्षण पर्व में क्षमा, मैत्री, करुणा, तप, मंत्र साधना आदि पर विशेष बल दिया जाता है। क्षमा का सर्वाधिक महत्व इस पर्व के साथ जुड़ा है- मैं सब जीवों को क्षमा करता हूं, सब जीव मुझे क्षमा करते हैं। मेरी सब प्राणियों से मित्रता है, किसी से मेरा वैर-भाव नहीं है। प्रभु महावीर के इस मैत्री मंत्र के साथ सामूहिक क्षमापना-क्षमावाणी दिवस को समूचा जैन समाज विश्व मैत्री दिवस के रूप में मनाता है। पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है।

आत्मा के उन्नयन एवं उत्कर्ष का महापर्व-पर्युषण

देवेन्द्र ब्रह्मचारी

जैनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्व है पयुर्षण पर्व। यह पर्व ग्रंथियों को खोलने की सीख देता है। इस आध्यात्मिक पर्व के दौरान कोशिश यह की जाती है कि जैन कहलाने वाला हर व्यक्ति अपने जीवन को इतना मांज ले कि वर्ष भर की जो भी ज्ञात-अज्ञात त्रुटियां हुई हैं, आत्मा पर किसी तरह का मैल चढ़ा है वह सब धुल जाए। संस्कारों को सुदृढ़ बनाने और अपसंस्कारों को तिलांजलि देने का यह अपूर्व अवसर है। इस पर्व में श्वेताम्बर परम्परा में आठ दिन एवं दिगम्बर परम्परा में दस दिन इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनमें व्यक्ति स्वयं के द्वारा स्वयं को देखने का प्रयत्न करता है। ये दिन नैतिकता और चरित्र की चौकसी का काम करते हैं और व्यक्ति को प्रेरित करते हैं वे भौतिक और सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाएं। आत्मोत्थान तथा आत्मा को उत्कर्ष की ओर ले जाने वाले इस महापर्व की आयोजना प्रतिवर्ष चातुर्मास के दौरान भाद्रव मास के शुक्ल पक्ष में की जाती है।

इस महापर्व में निरंतर धर्माराधना करने का प्रावधान है। इन दिनों जैन श्वेतांबर मतावलंबी पर्युषण पर्व के रूप में आठ दिनों तक ध्यान, स्वाध्याय, जप, तप, सामायिक, उपवास, क्षमा आदि विविध प्रयोगों द्वारा आत्म-मंथन करते हैं। दिगंबर मतावलंबी दशलक्षण पर्व के रूप में दस दिनों तक इस उत्सव की आराधना करते हैं। क्षमा, मुक्ति, आर्जव, मार्दव, लाघव, सत्य, संयम, तप, त्याग तथा ब्रह्मचर्य इन दस धर्मों के द्वारा अंतर्मुखी बनने का प्रयास करते हैं। जो आदमी के जीवन की सारी गंदगी को अपनी क्षमा आदि दस धर्मरूपी तरंगों के द्वारा बाहर करता है और जीवन को शीतल एवं साफ-सुथरा बनाता है। जब दो वस्तुएं आपस में टकराती हैं, तब प्रायः आग पैदा होती है। ऐसा ही आदमी के जीवन में भी घटित होता है। जब व्यक्तियों में आपस में किन्हीं कारणों से टकराहट पैदा होती है, तो प्रायः क्रोधरूपी अग्नि भभक उठती है और यह अग्नि न जाने कितने व्यक्तियों एवं वस्तुओं को अपनी चपेट में लेकर जला, झुलसा देती है। इस क्रोध पर विजय प्राप्त करने का श्रेष्ठतम उपाय क्षमा-धारण करना ही है। पर्युषण पर्व का प्रथम उत्तम क्षमा' नामक दिन, इसी कला को समझने, सीखने एवं जीवन में उतारने का दिन होता है।

इसी तरह अहंकार आदमी के अंतःकरण में उठते हैं। इसी अहंकार के कारण आदमी पद और प्रतिष्ठा की अंधी दौड़ में शामिल हो जाता है, जो उसे अत्यंत गहरे गर्त में धकेलती है। पर्युषण पर्व का द्वितीय उत्तम मार्दव' नामक दिवस, इसी अहंकार पर विजय प्राप्त करने की कला को समझने एवं सीखने का होता है। जैन मनीषियों ने कहा है कि सुख और शांति कहीं बाहर नहीं, अपने अंदर ही हैं और अपने घर में प्रवेश पाने के लिए वक्रता या टेड़ेपन को छोड़ना परम अनिवार्य है, जैसे सर्प बाहर तो टेड़ा-मेड़ा चलता है, पर बिल में प्रवेश करते समय सीधा-सरल हो जाता है, वैसे ही हमें भी अपने घर में आने के लिए सरल होना पड़ेगा। सरल बनने की ही कला सिखाता है 'उत्तम आर्जव धर्म।' हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह रूपी पांचों पापों के वशीभूत होकर प्राणी दिन-रात न्याय और अन्याय को भूलकर धन आदि के संग्रह में सत्य को धारण करने वाला हमेशा अपराजित, सम्माननीय एवं श्रद्धेय होता है। दुनिया का सारा वैभव उसके चरण चूमता है। यह सब 'उत्तम सत्य धर्म' की ही महिमा है।

जैसे किसी भी वाहन को मंजिल तक सही-सलामत पहुंचाने के लिए नियंत्रण की आवश्यकता होती है, वैसे ही कल्याण के पथ पर चलने वाले प्रत्येक पथिक के लिए संयम की परम आवश्यकता होती है। इंद्रिय एवं मन को जो सुख-इष्ट होता है, वह वैषयिक सुख कहलाता है। जो मीठे जहर की तरह सेवन करते समय तो अच्छा लगता है, पर उसका परिणाम दुःख के रूप में ही होता है। ऐसे दुःखदायक वैषयिक सुख से 'उत्तम संयम धर्म' ही बचाता है। अज्ञानता एवं लोभ-लिप्सा के कारण जीव, धन, संपत्ति आदि को ग्रहण करता है। ये ही पदार्थ दुःख, अशांति को बढ़ाने का कारण बनते हैं। ऐसे पर पदार्थों को छोड़ना ही उत्तम त्याग धर्म' कहलाता है। जब कोई साधक क्रोध, मान, माया, लोभ एवं पर पदार्थों का त्याग आदि करते हैं और इनसे जब उनका किंचित भी संबंध नहीं रहता तो उनकी यह अवस्था स्वाभाविक अवस्था कहलाती है। इसे ही उत्तम आकिंचन्य धर्म' कहा गया है। पर-पदार्थों से संबंध टूट जाने से जीव का अपनी आत्मा जिसे ब्रह्म कहा जाता है में ही रमण होने लगता है। इसे ही उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म' कहा जाता है। ये ही धर्म के दस लक्षण हैं, जो पर्युषण पर्व के रूप में आकर न केवल जैनों को, अपितु समूचे प्राणी-जगत को सुख-शांति का संदेश देते हैं। पर्युषण की आराधना के इन दिनों में व्यक्ति अपने आपको शोधन एवं आत्मचिंतन के द्वारा वर्षभर के क्रिया-कलापों का प्रतिक्रमण प्रतिलेखन करता है।

विगत वर्ष में हुई भूलों को भूलकर चित्तशुद्धि का उपाय करता है। सभी व्यक्ति एक दूसरे से क्षमा का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे मनोमालिन्य दूर होता है और सहजता, सरलता, कोमलता, सहिष्णुता के भाव विकसित होते हैं। पर्युषण पर्व एवं दसलक्षण पर्व के आयोजनों के साथ मुख्य रूप से तप और मंत्र साधना को जोड़ा गया है। संयम, सादगी, सहिष्णुता, अहिंसा, हृदय की पवित्रता से हर व्यक्ति अपने को जुड़ा हुआ पाता है और यही वे दिन हैं जब व्यक्ति घर और मंदिर दोनों में एक सा हो जाता है। छोटे-छोटे बालक-बालिकाओं का उत्साह दर्शनीय होता है। आहार-संयम, उपवास एवं अठाई तप के द्वारा इस महापर्व को मनाते हैं। इस अवसर पर जैन मंदिरों, स्थानकों, उपासना स्थलों, जिनालयों की रौनक बढ़ जाती है। संपूर्ण जैन समाज में साधु-साध्वियों, उपासकों, विद्वत्जनों के प्रवचनों के द्वारा धर्म की विशेष आराधना होती है। श्रावक-श्राविकाएं भी अपना धार्मिक दायित्व समझकर अध्यात्म की ओर प्रयाण करते हैं। अनेक स्थानों पर इन दिनों व्यापारिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। कई प्रतिष्ठान विशेष दिनों के आयोजन पर अवकाश भी रखते हैं। श्रेष्ठीजन अपने कर्मचारियों को भी धर्माराधना हेतु प्रेरित करते हैं।

पयुर्षण पर्व में क्षमा, मैत्री, करुणा, तप, मंत्र साधना आदि पर विशेष बल दिया जाता है। क्षमा का सर्वाधिक महत्व इस पर्व के साथ जुड़ा है- मैं सब जीवों को क्षमा करता हूं, सब जीव मुझे क्षमा करते हैं। मेरी सब प्राणियों से मित्रता है, किसी से मेरा वैर-भाव नहीं है। प्रभु महावीर के इस मैत्री मंत्र के साथ सामूहिक क्षमापना-क्षमावाणी दिवस को समूचा जैन समाज विश्व मैत्री दिवस के रूप में मनाता है। पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी पर्युषण पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे सामायिक, मौन, जप, ध्यान, स्वाध्याय, आहार संयम, इन्द्रिय निग्रह, जीवदया आदि के माध्यम से आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख एक आदर्श प्रस्तुत करे। पर्युषण महापर्व मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है।

पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना की जाती है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सदप्रयास करता है।

नजरिया

सोशल और मैसेजिंग मीडिया की काली दुनिया

आचार्य विष्णु श्रीहरि

मोबाइल : 9315206123

सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप की दुनिया भयकर काली है, षडयंत्रकारी है, भ्रष्टचारी है, आतंकी भी है और लोकतंत्र खोर भी है। सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप की दुनिया अपनी काली कमाई भी छिपाती है और भ्रष्ट शासकों का अप्रत्यक्ष समर्थन भी करती है, इस्लामिक कट्टरपंथ को भी खादपानी देती है, आतंकी दुनिया को उसके विचारों को फैलाने का मंच भी देती है। आतंकी दुनिया सोशल मीडिया और मैसेजिंग दुनिया को अपने आतंकी विचार के प्रचार-प्रसार और गुर्गे ढूढने के लिए करती है। क्या यह सही नहीं है कि फेस बुक ने चुनाव प्रचार के दौरान तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड टम्प को प्रतिबंधित कर दिया था? क्या यह सही नहीं है कि भारत के पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान सोशल मीडिया और मैसेंजिंग मीडिया भारत के लोकतंत्र को समाप्त करने और आरक्षण समाप्त करने के अफवाह को फैलायां था? सोशल और मैसेजिंग दुनिया अपनी अप्रत्यक्ष कमाई छिपाती है और टैक्स की भी खूब चोरी करती है। फिर भी आप इन तथ्यों से सहमत नहीं है तों फिर मैसेंजिंग एप के मालिक पावेल ड्यूरोव की गिरफ्तारी और उस पर लगे टैक्स की चोरी का प्रसंग उदाहरण और प्रमाण के तौर पर देख लीजिये।

मैसेजिंग एप टेलीग्राम के संस्थापक पावेल ड्यूरोव की गिरफ्तारी कोई साधारण नहीं है, इनकी गिरफ्तारी से कई अनैतिकता, भ्रष्टाचार और आतंकवाद ही नहीं बल्कि राजनीतिक खेल को नियंत्रित करने जैसी करतूतों का भी पर्दाफाश होता है। आम तौर पर यह स्थापित तथ्य है कि बडे लोग सरकारी टैक्स की चोरी करते ही है, सरकारी नियमो को तोडते ही है और सरकारी योजनाओं का संहार कर अपनी झोली भरते ही है। इनकी पहुंच सत्ता के सर्वोच्च शिखर तक होती है, इसलिए ये जेल जाने से बच जाते हैं, कानून के प्रताड़ना का शिकार होने से बच जाते हैं। इनके पक्ष में आसपास की दुनिया तो खडी ही रहती है, इसके अलावा इनके पक्ष में वैश्विक दुनिया खडी हो जाती है, इनके पक्ष की दुनिया यह कहती है कि इतने बडे कारपोरेट घराने, इतने बडे उद्योगपति और इतनी बड़ी हस्ती की गिरफ्तारी या फिर उस पर मुकदमा दर्ज कराने का अर्थ यह है कि संबंधित देश का लोकतंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा है, इतना ही नहीं बल्कि लोकतंत्र

का संहार हो गया है, अभिव्यक्ति की आवाज का कोई अर्थ नहीं रह गया है, अभिव्यक्ति की आवाज को सत्ता की शक्ति से दबाया जा रहा है, कुचला जा रहा है, शक्तिहीन किया जा रहा है। अदालतें भी ऐसी हस्तियों के प्रति चमत्कृत हो जाती हैं, प्रभावित हो जाती हैं, पक्ष में सक्रिय हो जाती हैं और सरकार से प्रश्न पर प्रश्न खडा कर देती हैं, सुनवाई पर सुनवाई करती है, सुबह, दो पहर, शाम रात और भोर मे भी अदालते लग जाती हैं। फिर ऐसी हस्तियों को जमानत भी मिल जाती है। दारू बेचने और पिलवाने के अपराध में जेल में बंद अरविन्द केजरीवाल इसका उदाहरण है। लोअर कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जितनी तारीखें अरविंद केजरीवाल को मिली, जितने विन्दुओं पर लोअर कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की उतने विन्दुओं पर एक आम आदमी को अपने बचाव में सुनवाई का अवसर दिया जा सकता है? आम आदमी से संबंधित मुकदमों में ऐसा अवसर तो देखने का मिलता ही नहीं, ऐसा उदाहरण तो खोजने से मिलता नहीं। बीबीसी के टैक्स चोरी का मामला क्या भारत में दब नहीं गया, राजनीति प्रबंधन का शिकार नहीं हो गया? टैक्स चोरी के आरोप में बीबीसी के संचालकों की गर्दन भारत सरकार नाप सकी?

पावेल डयेरोव भी एक हस्ती है, वह सिर्फ फ्रांस की हस्ती नहीं है बल्कि दुनिया की हस्ती है। क्योंकि उसका मैसेजिंग एप सिर्फ फ्रांस मे चर्चित और स्थापित नहीं है। उसका मैसेजिंग एप टेलीग्राम दुनिया भर में चर्चित और स्थापित है। यह कहना सही होगा कि टेलीग्राम सहज और आसान मैसेजिंग एप है। हवाटसप से लाख गुणा अधिक सहज और आसान है। जहां पर हवाटसप मैसेजिंग को जांच पडताल की सीमा रेखा में ही रखता है और भारी मैसेजिंग को प्रसारित करने में असहज और कठिन बना देता है, भारी वीडीओ और अन्य मैसेजिंग हवाटसप आदि मैसेजिंग एप से भेजना बहुत ही कठिन है। लेकिन टेलीग्राम भारी से भारी वीडीओ और अन्य सामग्री को आसानी से भेज देता हैं। यही कारण है कि कई देशों में टेलीग्राम की पहुंच और वर्चस्व खास है। रूस में कभी इस एप का वर्चस्व था। रूस से अलग हुए देश जैसे यूक्रेन, अजरबैजान और साउथ अफ्रीका में टेलीग्राम का चलन लोकप्रिय है। इसके साथ ही साथ फ्रांस में भी इस एप का दबदबा रहा है। पावेल ड्यूरोव फ्रांस का मूल निवासी नहीं है। वह मूल रूप से रूस का निवासी है। रूस में ही उसने टेलीग्राम को खडा किया था और इसकी व्यूह रचना वहीं तैयार की थी। लेकिन रूस के शासक पुतीन की गिद्ध दृष्टि के कारण उसे रूस छोडकर भागना पडा। रूस छोड कर भागने के बाद अरब के देशों में भी व्यापार की खोज की थी। इसके बाद उसने फ्रांस की नागरिकता ली थी और टेलीग्राम को फ्रांस से ही संचालित कर रहा था। उसकी योजना टेलीग्राम को विश्वव्यापी बनाने की थी और वह फेसबुक ह्वाटसप के साथ ही साथ टिवट्र को भी चुनौती देकर पछाडना चाहता था, इन्ही योजनाओं पर वह काम कर रहा था। इस दौरान उस पर टैक्स की चोरी का आरोप लगा। फ्रांस सरकार के संबंधित विभागों से टैक्स की चोरी की जांच में उसने सहयोग भी नहीं किया। जांच में सहयोग न करना उसके लिए भारी पड गया और गिरफ्तारी का कारण भी बन गया।

फ्रांस का वह हस्ती था फिर गिरफ्तारी से बच नहीं सका? यह प्रश्न बहुत ही रहस्य वाला है। पावेल ड्यूरोव अगर भारत मे होता तो फिर टैक्स एजेसियों पर आरोपों का जंजाल खड़ा हो जाता, मीडिया से लेकर राजनीति, कोर्ट और जनता भी प्रश्न पूछति। टैक्स जांच एजेसियों को जांच करने की जगह मीडिया, कोर्ट और राजनीति के प्रश्नों को जवाब देने में ही पसीना छूट जाते और फिर जांच कमजोर हो जाती और प्रभावित हो जाती। टैक्स चोरी का आरोप शाहरूख खान,आमिर खान, अक्षय कुमार, करीना कपूर, माधुरी दीक्षित जैसे हीरो-हिरोइनों पर रहा है, टैक्स चोरी का आरोप दिल्ली के दर्जनों वकीलों के उपर रहा है, देश के सैकडों हजारों कारपोरेट घरानों और उद्योगपितयों पर टैक्स की चोरी का आरोप रहा है फिर भी टैक्स चोरी के आरोप मे किसी फिल्मी हीरो-हिरोइनों को जेल जाते हैं देखा है, सुना है, इसी प्रकार किसी बडे कारपोरेट घरानों और बडे उद्योगपतियों को टैक्स की चोरी करने के आरोप में जेल जाते हुए देखा है? यहां तो टैक्स की चोरी करने के बाद सीनाजोरी कर ईमानदार घोषित करने की परमपरा है। अगर पावेल डयूरोव भारत का नागरिक होता और उस पर भारत में टैक्स चोरी करने के आरोप होते तो फिर कदापि वह जेल नहीं जाता। फ्रांस की जनता प्रशंसा की पात्र है जो पावेल ड्यूरोव के पक्ष में नहीं खडी हुई। फ्रांस की जनता यह नहीं कही कि पावेल एक हस्ती है इसलिए उसे मत गिरफ्तार करो। फांस की सरकार पावेल की शक्ति से नहीं डरी। फ्रांस ने यह नहीं समझा कि दुनिया का सोशल मीडिया में उसकी बदनामी हो सकती है। सोशल मीडिया में उसकी छबि खराब हो सकती है और उस पर लोकतंत्र को कुचलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कब्र खोदने जैसे अंतिरंजित आरोप भी लग सकते हैं।

अभिव्यक्ति के नाम पर सोशल और मैसेजिंग दुनिया के मालिकों को अराजक नही बनाने देना चाहिए, उनके आतंकवादी सहचर होने के प्रमाणों को खारिज नही करना चाहिए, उनकी टैक्स चोरी की करतूत पर उदासीनता नहीं बरतनी चाहिए। फांस ने वीरता दिखायी है, दृढता दिखाया है। पावेल ड्यरोव जैसी हस्ती की गर्दन उसने नापी है। खासकर अमेरिका और भारत को भी इसी तरह की नीतियां अपनानी चाहिए। अधिकतर सोशल मीडिया के संस्थापक अपेरिका में रहते हैं और वहीं से अपना खेल दुनिया भर करते हैं। भारत सोशल मीडिया और मैंसेजिंग मीडिया संस्थानों का आसान शिकार है। भारत को भी फ्रांस की नीति अपनानी चाहिए और सोशल मीडिया व मैसेजिंग मीडिया के संचालको की गर्दन भारत विरोधी भावनाओं के खिलाफ नापनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुलाकात

नई दिल्ली में गुरुवार को केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने नेशनल स्टेडियम में युवा एथलीटों से मुलाकात की।

मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए लोग गरीबों की दुर्दशा नहीं समझेंगे : अजित पवार

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए लोग समाज के वंचित वर्ग की दुर्दशा को नहीं समझ पाएंगे। पवार ने अपनी 'जन सम्मान यात्रा' के दौरान यहां एक रैली को संबोधित करते हुए लोगों से विपक्ष के 'फर्जी अभियानों' का शिकार नहीं होने का आग्रह किया और युवाओं, महिलाओं, वारकरियों (भगवान विठोबा के अनुयायी) तथा अन्य लोगों के लिए सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष ने 'लाडकी बहिन' योजना का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमने पात्र महिलाओं के खातों में 3,000 रुपए जमा कर दिए हैं।'' यह योजना 21-60 वर्ष की आयु की उन विवाहित, तलाकशुदा और निराश्रित महिलाओं को 1,500 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करती है, जिनकी वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए तक है। उन्होंने कहा कि विपक्ष 'लाडकी बहिन' योजना को चुनावी जुमला कह रहा है, लेकिन यह फर्जी अभियान है। पवार ने आश्वासन दिया कि कोई भी किसी से पैसा वापस नहीं लेगा। उन्होंने कहा, ''विपक्ष योजनाओं को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहा है। मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए लोग गरीबों की दुर्दशा नहीं समझ पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार राज्य भर में 52 लाख परिवारों को प्रति वर्ष तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दे रही है, साथ ही राज्य में लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा की फीस भी वहन कर रही है।

इन योजनाओं से राज्य की वित्तीय स्थिति खराब होने के दावों को खारिज करते हुए पवार ने कहा कि महाराष्ट्र का राजस्व संग्रह अच्छा रहा है। उन्होंने कहा, ''इन योजनाओं के लिए राज्य को 75,000 करोड़ रुपए की जरूरत है। हमारे पास पैसा है, इसलिए हम इन योजनाओं को लागू कर रहे हैं।'' पवार ने कहा कि ये योजनाएं तभी चल सकती हैं जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का महायुति गठबंधन दोबारा सत्ता में आए। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने राज्य सरकार का खजाना संभाला है। हमें पता है कि कहां खर्च कम करना है और कहां खर्च करना है। हमने गन्ना, प्याज, सोयाबीन और दूध के मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी बात की है।''

मुलाकात

बीआरएस नेता के. कविता रंगा रेड्डी में एरावेली निवास पर पिता बीआरएस प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात करती हुई।

डेंजिल कीलर : लड़ाकू पायलट जिन्होंने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान के सेबर जेट को मार गिराया

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय वायुसेना के वीर अधिकारी एवं 1965 के भारत-पाक युद्ध के नायक एअर मार्शल डेंजिल कीलर को शायद रणक्षेत्र में दुश्मन के सेबर जेट को मार गिराने के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

उनके परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि 1965 के युद्ध में अपनी वीरता के लिए वीर चक्र प्राप्त करने वाले 90 वर्षीय कीलर का बुधवार को हरियाणा के गुरुग्राम में निधन हो गया।

डेंजिल कीलर का जन्म दिसंबर 1933 में लखनऊ में हुआ था। वह और ट्रेवर कीलर लड़ाकू पायलट बंधुओं के रूप में जाने जाते थे तथा उन्हें महान दर्जा प्राप्त हुआ। ट्रेवर कीलर को स्वतंत्र भारत में हवा में लक्ष्य को मार गिराने का सबसे पहला युद्धक पायलट होने का गौरव प्राप्त हुआ। 1965 के युद्ध में उन्होंने एक सेबर जेट को भी मार गिराया था।

डेंजिल कीलर ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी हिस्सा लिया था, जिस युद्ध के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने 1965 के युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना के एक सेबर विमान को मार गिराया था। वह और उनके भाई भारतीय वायुसेना के नायक हैं।''

वीरता पुरस्कारों की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित विवरण के अनुसार, मई 1954 में भारतीय वायुसेना में शामिल हुए डेंजिल कीलर ने 1978 में विमान संबंधी दो आपात स्थितियों के दौरान (ग्रुप कैप्टन के रूप में) अपने साहस के लिए कीर्ति चक्र भी प्राप्त किया।

कीर्ति चक्र भारत का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है।

उनके कीर्ति चक्र उद्धरण में लिखा है, ''ग्रुप कैप्टन डेंजिल कीलर वीआरसी (4805) एफ (पी) को अगस्त 1975 में एक प्रतिष्ठित इकाई में तैनात किया गया था जो रणनीति विकसित करती है और युद्ध प्रशिक्षण प्रदान करती है।

इसमें कहा गया है कि मार्च 1978 में जब ग्रुप कैप्टन कीलर उच्च ऊंचाई पर टाइप 77 विमान उड़ा रहे थे, तो इसकी 'कैनोपी' उड़ गई और उन्हें अत्यंत प्रतिकूल स्थिति तथा गंभीर 'वायु विस्फोट' का सामना करना पड़ा।

हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश से संबंधों पर पुनर्विचार करे भारत: बीएनपी नेता

ढाका/भाषा

बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने पूर्व राजनयिकों, नौकरशाहों, नेताओं और संस्थाओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वे भारत को यह मानने के लिए भ्रमित कर रहे हैं कि शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के बिना भारत-बांग्लादेश के संबंध खराब होंगे।

खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता अमीर खुसरो महमूद चौधरी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत के चिंता जताने के कुछ दिन बाद कहा कि यह देश का आंतरिक मामला है। हालांकि उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अपने सबसे करीबी पड़ोसी देश भारत से मजबूत संबंध चाहता है। चौधरी की पार्टी बीएनपी हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग (एएल) की चिर प्रतिद्वंद्वी रही है। हसीना देशभर में हुए छात्र आंदोलन के मद्देनजर पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत चली गई थीं। इसके बाद आठ अगस्त को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया, जो चुनाव होने तक काम करेगी।

चौधरी ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में पूर्व राजनयिकों, अधिकारियों, राजनीतिक नेताओं और संस्थाओं के रुख पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह बांग्लादेश के बारे में भारत को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से भारत-बांग्लादेश के रिश्ते खराब हुए हैं। उन्होंने कहा, इस तथाकथित व्यवस्था ने ऐसा हौव्वा खड़ा किया है कि अगर अवामी लीग नहीं होगी, तो भारत के लिए सुरक्षा संबंधी समस्याएं खड़ी होंगी; अगर शेख हसीना नहीं होंगी तो देश कट्टरपंथियों के हाथों में चला जाएगा; अगर अवामी लीग नहीं होगी, तो बांग्लादेश में हिंदू खतरे में पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से झूठ और जानबूझकर गढ़ी गई कहानी है। इन लोगों को अब जाग जाना चाहिए। बांग्लादेश सबसे उदार देशों में से एक है; यहां हिंदू और मुसलमान सदियों से एक साथ रहते आए हैं। बांग्लादेश में हसीना सरकार के गिरने के बाद कई दिनों तक चली हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को आर्थिक नुकसान हुआ है तथा हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के आरोप सामने आए हैं।

फिर से रिलीज होगी 'गैंग्स ऑफ वासेपुर'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता मनोज बाजपेयी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की दो-भाग वाली लोकप्रिय फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' 30 अगस्त को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ होगी। निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मंगलवार को रोमांचक खबर की घोषणा करते हुए एक पोस्टर साझा किया।अनुराग कश्यप द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के अनुसार फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर 30 अगस्त से 5 सितंबर तक सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। टिकट मिराज सिनेमाज की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। पोस्टर के साथ अनुराग कश्यप ने कैप्शन में लिखा, तीन दिनों में गैंग वापस आएगा... जीओडब्लू वापस सिनेमाघरों में। गौरतलब है कि अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है, यह फिल्म एक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कोयला खनन माफिया से लड़ाई करता है। इस फिल्म में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी, मनोज बाजपेयी, हुमा कुरेशी, ऋचा चड्ढा और तिग्मांशु धूलिया जैसे कलाकार ने अहम भूमिका निभायी थी। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' फिल्म का पहला भाग 22 जून 2012 को रिलीज़ हुआ था। अनुराग कश्यप निर्देशित रिवेंज ड्रामा गैंग्स ऑफ वासेपुर को समीक्षकों से काफी सराहना मिली और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी हिट हुयी थी।

राजकुमार राव अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ फिर करना चाहते हैं काम, बोले- बहुत टैलेंट हैं

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर राजकुमार अपनी पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई है। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। राजकुमार ने एक सवाल का जवाब देते हुए आईएएनएस को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं। मुझे लगता है वह बहुत प्रतिभाशाली हैं उनमें टैलेंट भरा हुआ है। एक्टर ने अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए कहा, जब बात उनके काम की आती है तो वह बहुत जुनूनी हो जाती हैं। वह बहुत भावुक एक्ट्रेस हैं। वह जो करती है, उसे पसंद भी करती हैं। अब उनकी एक सीरीज (आई 814: द कंधार हाईजैक) आने वाली है। इसलिए, अभी वह उसके प्रमोशन में बिजी हैं। लेकिन, मैं बहुत जल्द ही उनके साथ काम करना पसंद करूंगा। राजकुमार और पत्रलेखा साल 2010 से एक साथ हैं। वह 2014 में आई फिल्म सिटीलाइट्स में नजर आए थे, जो ब्रिटिश फिल्म मेट्रो मनीला की रीमेक थी। इस फिल्म में राजस्थान के एक किसान की कहानी बताई गई है, जो रोजगार की तलाश में मुंबई आता है। राजकुमार की हाल ही में आई फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की लिस्ट में छठे स्थान पर आ गई है। इस फिल्म को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में राजकुमार के अलावा श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं।

राजकुमार ने फिल्म की सफलता पर बात करते हुए कहा, उन्हें अच्छा लगता है कि उनकी फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लेकिन, मेरे लिए केवल यही बात मायने नहीं रखती। मुझे लगता है कि मेरे लिए जो मायने रखता है, वह है एक अच्छी फिल्म का हिस्सा बनना। जरूरी नहीं कि हर अच्छी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करें।

उन्होंने कहा कि उनके लिए अच्छी कहानियों का हिस्सा बनना और अच्छे प्रोड्यूसर के साथ काम करना बहुत अहमियत रखता है। बोले, आप जानते हैं कि एक कलाकार के रूप में पहचान बनाना और फिर बॉक्स ऑफिस पर अच्छा करना एक अलग भाव पैदा करता है, एक कलाकार के तौर पर निश्चित रूप से सम्मानित महसूस करता हूं।

आज तक मुझे अपने जीने के तरीके व काम पर पछतावा नहीं हुआ : करण जौहर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मशहूर निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने कहा है कि उन्हें एक इंसान के तौर पर अपने सफर पर गर्व है और वह अलग तरीके से जीने के लिए कुछ अलग प्रयास नहीं करेंगे। करण जौहर ने आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का निर्देशन किया था। हाल में करण, ज्योतिषी और वास्तु सलाहकार जय मदान के साथ पॉडकास्ट 'जाने मन' में दिखाई दिए थे। उन्होंने इस दौरान अपने बचपन की कुछ बातों को जिक्र किया। करण ने कहा, उन्होंने हमेशा दूसरे लड़कों की तुलना में खुद को अलग महसूस किया। मैं कभी भी दूसरे लड़कों जैसा नहीं था, उनकी रुचियां, उनका स्टाइल, उनका खेल- यह बस मैं नहीं था। मुझे यह

समझने में सालों लग गए कि अलग होने के लिए मुझे किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है। मैंने जो हूं उसे स्वीकार किया और यही मेरी ताकत बन गई। उन्होंने बताया, आज तक मैंने जिस तरह से जीवन जिया है या जो काम किया है, उस पर मुझे कभी पछतावा नहीं हुआ। मैं बस अपनी सच्चाई जीना चाहता हूं।

करण पेशेवर और निजी जीवन दोनों के प्रति अपने निडर दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं, यही वजह है कि आज वह मनोरंजन की दुनिया में चमकता सितारा हैं, जिसने कई अभिनेता-अभिनेत्रियों को अपने फिल्मों के माध्यम से स्टार बनाया। डॉ. जय मदान ने करण का इंटरव्यू करने के अपने अनुभव पर कहा, जाने मन की मेजबानी करना एक बहुत ही परिवर्तनकारी यात्रा रही है, एक ऐसा मंच, जिसके माध्यम से मैं अपने श्रोताओं के लिए आत्म-जागरूकता और व्यक्तिगत विकास के मार्ग को रोशन करने का प्रयास करता हूँ।

करण जौहर का साक्षात्कार करना किसी असाधारण अनुभव से कम नहीं था। यह एपिसोड 30 अगस्त को जय मदान के 'जाने मन' यूट्यूब पॉडकास्ट पर प्रीमियर होने वाला है।

श्रीमद रामायण में मां सीता का किरदार निभाकर बहुत कुछ सीखने को मिला : प्राची बंसल

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के सीरियल श्रीमद रामायण में मां सीता का किरदार निभाने वाली प्राची बंसल ने कहा कि मां सीता का किरदार निभाकर उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। प्राची बंसल ने कहा, मैं सीता के शांत और संयमित स्वभाव से जुड़ती हूं, जिसे मैं खुद में भी देखती हूं। उनके किरदार को निभाने से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। मुझे लगता था कि मेरे जीवन में बहुत-सी समस्याएं हैं, लेकिन हमारी समस्याए और चुनौतियां सीता के सामने कुछ भी नहीं हैं। अब मैंने हर चुनौती और खुशी के पीछे छिपे गहरे अर्थ को समझना सीख लिया है। इसने मुझे जीवन के अलग-अलग चरणों को और भी स्पष्ट रूप से देखने में मदद की है।मां सीता का बलिदान रामायण का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने सदियों से महिलाओं को प्रेरित और प्रभावित किया है। उनका बलिदान सिर्फ़ एक पौराणिक कहानी नहीं है बल्कि समाज और रिश्तों के कई पहलुओं पर प्रकाश डालता है। सीता ने अपने परिवार और प्यार के लिए बहुत कुछ त्याग दिया। आज भी महिलाएँ अपने परिवार के लिए कई त्याग करती हैं। उन्हें अपना कॅरियर, सपने और यहां तक कि अपनी पहचान भी छोड़नी पड़ सकती है। प्राची बंसल ने कहा,सीता की यात्रा के इस नए चरण की तैयारी के लिए मैंने उनके चरित्र की जटिलताओं और आगे बढ़ रही कहानी को समझने में खुद को डुबो दिया है। मैं विशेष रूप से उसके भावनात्मक आर्क से रोमांचित हूं क्योंकि वह इस चुनौतीपूर्ण अवधि से गुज़रती हैं। मैंने गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, उसकी पिछली कहानी की बारीकियों और उसके कार्यों को प्रेरित करने वाली अंतर्निहित प्रेरणाओं की खोज करने के लिए रचनात्मक टीम के साथ व्यापक चर्चा की है। सीता के मेरे चित्रण को आकार देने में यह सहयोगी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा मैं उस युग को चित्रित करने में प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों में तल्लीन रही हूँ। मैं सीता की कहानी में एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए उत्साहित हूँ, साथ ही चरित्र के मूल को भी सम्मानित करती हूं। श्रीमद रामायण सोमवार से शनिवार तक शाम 7:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

कंगना रनौत ने फिल्म इमरजेंसी की तुलना ओपेनहाइमर से की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी की तुलना हॉलीवुड फिलम ओपेनहाइमर से की। कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत, भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती नजर आयेंगी। कंगना रनौत ने कहा,मुझे नहीं पता कि लोग सच्चाई से इतने असहज क्यों हैं। जैसे कि वह हमें स्पष्ट रूप से देख नहीं सकते हैं। मेरे लिए श्रीमती गांधी वही हैं, जो वह हैं और हम लोगों को 'अच्छे' या 'बुरे' के रूप में वर्गीकृत नहीं कर सकते। यदि आप उस विजन से देखें तो यह फिल्म आपके लिए कई दरवाजे खोलेगी लेकिन साथ ही, मेरी फिल्म के साथ एक करीबी तुलना शायद ओपेनहाइमर से की जा सकती है।यह मैकबेथ की तरह

ही है। मैकबेथ को राजा बनना तय था, और जब वह राजा को मारकर राजा बन जाता है तो खंजर उसका पीछा करता है। उसका विवेक उसका पीछा करता है... इमरजेंसी का विचार यह है कि हममें से सबसे अच्छे लोग भी अभिमान का शिकार बन सकते हैं।

गौरतलब है कि कंगना रनौत निर्मित-निर्देशित 'इमरजेंसी' में आपातकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म इमरजेंसी में अनुपम खेर, दिवंगत सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म इमरजेंसी 06 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'स्वयंभू' के लिए घुड़सवारी व तीरंदाजी की ट्रेनिंग ले रहीं अभिनेत्री संयुक्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी आगामी फिल्म 'स्वयंभू' के लिए निखिल सिद्धार्थ के साथ कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह फिल्म के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और पार्कौर का प्रशिक्षण ले रही हैं। हाल ही में, संयुक्ता ने इंस्टाग्राम पर घुड़सवारी सीखने की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि यह अनुभव उनके लिए कितना आध्यात्मिक है।

उन्होंने लिखा, एक एक्टर के रूप में मैं दैनिक आधार पर अलग-अलग चीजों का अनुभव करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। अपनी अगली फिल्म, स्वयंभू के लिए, मैं घुड़सवारी सीख रही हूं और मुझ पर विश्वास करें, यह एक आध्यात्मिक यात्रा रही है। घोड़े के साथ सामंजस्य और तालमेल में रहना, घोड़े की आत्मा में गहराई से देखना और यह सुनिश्चित करना कि हम एक टीम के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं, सुंदर और आनंददायक है! मैंने प्रत्येक गिरावट को एक सीढ़ी के रूप में लिया, बाधा के रूप में नहीं।

'स्वयंभू' एक ऐसे सम्राट की कहानी है, जिसने इतिहास में स्वर्ण युग की स्थापना की। इसका निर्देशन भरत कृष्णमाचारी और आदित्य बहुधानम ने किया है। संयुक्ता, चरण तेज उप्पलापति द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी।

यह चरण तेज के निर्देशन में पहली फिल्म होगी। इसमें काजोल, प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन और जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम हैं। यह फिल्म एक प्रतिशोधी मिशन पर निकली महिला माया (काजोल) के बारे में एक रिवेंज ड्रामा है। वह जीतू जोसेफ द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म राम में भी नजर आएंगी। यह दो हिस्सों वाली फिल्म सीरीज की पहली सीरीज है। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। रॉ एजेंट राम मोहन को एजेंसी द्वारा बेल नामक आतंकवादी समूह से निपटने के लिए बुलाया जाता है, जिसके पास भारत को नष्ट करने में सक्षम परमाणु हथियार हैं। संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म 'पॉपकॉर्न' से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें 'कल्कि', 'एडक्कड़ बटालियन 06', 'भीमला नायक', 'बिम्बिसार', 'गालीपता 2', 'वाथी' और 'विरुपाक्ष' जैसी फिल्मों में देखा गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 30-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में सूरत में अभातेयुप के 58वें वार्षिक अधिवेशन में बेंगलूरु के विमल कटारिया को संस्था के सर्वोच्च सम्मान 'युवा गौरव' अलंकरण से अलंकृत किया गया तथा तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु शाखा को विशिष्ट परिषद एवं अन्य आयामों हेतु पुरस्कृत किया गया।

प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जूनियर चेंबर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी ने अपने युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत इस वर्ष 10,000 विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण देने के मिशन बनाया है, उसी श्रृंखला में विमेंस पीस लीग स्कूल में 70 विद्यार्थियों के लिए लक्ष्य निर्धारण पर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक रेशमा बडोला और तरुणा मेहता ने बच्चों को प्रशिक्षण दिया। अध्यक्ष चेतन पोरवाल ने सभी का स्वागत किया।

कुरीतियों को मिटाने के लिए कटिबद्ध बने समाज : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। गुरुवार को नजरबाद शिक्षक सदन स्थित बुद्धि-वीर वाटिका के पंडाल में आयोजित धर्मसभा में कुरीतियों से मुक्त तपोत्सव की रूपरेखा को विस्तार से समझाते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पर्दाप्रथा, दहेज, मृत्युभोज, पल्लाप्रथा, धूम्रपान, शराब, अफीम, भांग, जुआ, छेड़छाड़, भद्दे गीतगान, विभिन्न अवसरों पर जबरन पैसों की लेनदेन, ससुराल से भेंट-सौगात की लालसा, दिखावे के तौर पर सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रमों में अत्यधिक मात्रा में धनव्यय, पटाखे, होली के निमित्त रैनडांस, जन्मदिन और विवाह दिन के अमर्यादित आयोजन आदि अनेक ऐसी बुराइयां हैं, जो समाज को गर्त में ले जा रही हैं। इन आडंबरों और गलत रीति रिवाजों को समाप्त किए बगैर कोई समाज अपनी वास्तविक उन्नति नहीं कर सकता। गुणों के बजाय धन के आधार पर समाज में हो रहे छोटे-बड़े के भेदभाव अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ऐसा होने से गुणवान महत्वहीन बन जाते हैं और अच्छी प्रतिभाएं दब-कुचल जाती हैं। बाहुबल और धनबल के आधार पर सामर्थ्य का दुरुपयोग समाज को अनुशासनहीन बना रहा है। यह अवनति का मार्ग है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरगी ने कहा कि धार्मिक या सामाजिक क्षेत्र में आई कुरीतियां धर्म की देन नहीं हैं। वे तत्कालीन समाज अथवा कुछ व्यक्तियों के अज्ञानता की देन हैं। समय-समय पर अनेक बुराइयों को सामाजिक मान्यताएं मिलती गई हैं और वे धीरे-धीरे परंपरा के रूप में प्रस्थापित होती गई हैं। पूजा-पाठ, सामयिक, प्रतिक्रमण या तपस्या से समाज और धर्मक्षेत्र में पैठी बुराइयां दूर नहीं हो जाएगी। उन कुरीतियों को मिटाने के लिए कोई भगवान पधारेंगे, इस भ्रांत धारणा में जीना भी हास्यास्पद है। व्यापक सामाजिक-धार्मिक बदलाव के लिए सांगठनिक एकता और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। गलत रीति-रिवाजों को समाप्त करने के लिए सबसे पहले युवावर्ग को कटिबद्ध बनना होगा। रूढ़ियों में बंधा समाज हर परिवर्तन को आसानी से स्वीकार नहीं करेगा, इसलिए दृढ़ निष्ठा के साथ लंबे समय तक संघर्ष की आवश्यकता रहेगी। परिवर्तन में हर वर्ग और हर जाति की भलाई हैं।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और अशोक दांतेवाडिया ने बताया कि शुक्रवार को पर्युषण महापर्व के विधि-विधान, इतिहास और रहस्यों पर विशेष धर्मसभा आयोजित होगी। गणि पद्मविमलसागरजी ने जानकारी दी कि भगवान की पूजा, आरती, गुरुवंदन, प्रतिक्रमण, पौषध, ज्ञानपूजन, संघपूजन, प्रभावना, अष्टान्हिका और कल्पसूत्र के प्रवचन, जन्म वाचन, स्वप्न दर्शन, झूले का कार्यक्रम, संवत्सरी इत्यादि पर्व का आयोजन किया जाएगा।

परमात्मा की पूजा से पुण्यानुबंधी पुण्य का बंध होता है : साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि पुण्य एक ऐसी फैक्ट्री है जिसमें से जो पदार्थ बाहर निकलेगा उसी से हमारी आत्मा का विकास होगा। पुण्य शुभ और अशुभ दो प्रकार के होते है। पुण्यानुबंधी पुण्य जो कि हमें मोक्ष तक ले जाता है। इसी तरह पाप भी दो तरह के होते है जिसे हम पापानुबंधी पाप और पुण्यानुबंधी पाप से समझ सकते हैं। पुण्यानुबंधी पुण्य से हमें पर्युषण पर्व की आराधना करने में सुविधा और सामग्री मिलती है जो कि हमें विषय कषाय से दूर करता है, वही हमें धर्माराधना में सहायक होता है। यह जीवन और शरीर भी हमें पुण्य से ही मिला है। पुण्य बंध अनेक कारणों से होता है जिनमें तन, मन और धन से जिनेश्वर देव की पूजा एक है। परमात्मा पूजा से आदि व्याधि दूर होकर हमें समाधि प्राप्त होती है। पुण्य बंध के अगले क्रम में सदगुरु की सेवा करना है। सदगुरु एक ऐसी सीढी है जिससे हम परमात्मा तक पहुंच सकते हैं। तीसरे नंबर पर धर्म में हमेशा प्रवृत रहना है। धर्म प्रसंग के किसी भी कार्य को हमें नहीं छोड़ना है जिसमें जिनवाणी श्रवण प्रथम है। जिनवाणी जिनेश्वर परमात्मा की वाणी है, यह अक्षर देह है। हमें जिनवाणी प्रारम्भ होने से पहले पहुंचना है और जिनवाणी सम्पूर्ण होने के पश्चात निकलना है। परमात्मा के समवसरण में अनेकों आत्माओं का उद्धार होता है। चतुर्थ नंबर पर तप करना है।

तप में छह प्रकार के बाह्य तप और छह प्रकार के अभ्यंतर तप है। इससे हमारे गाढ कर्मों की निर्जरा होती है और पुण्य भी बंध होता है। पांचवें नंबर पर दान धर्म से पुण्यानुबंधी पुण्य का अर्जन होता है। यह दान भावपूर्ण होना चाहिए। दान देने के बाद हमारे मन में अनुमोदना के भाव होना चाहिए। विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में शनिवार से पर्युषण महापर्व की आराधना प्रारम्भ होगी।

तेरापंथ भवन गांधीनगर में कटारिया व तेयुप का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में सूरत में अभातेयुप के 58वें वार्षिक अधिवेशन में बेंगलूरु के विमल कटारिया को संस्था के सर्वोच्च सम्मान 'युवा गौरव' अलंकरण से अलंकृत किया गया तथा तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु शाखा को विशिष्ट परिषद एवं अन्य आयामों हेतु पुरस्कृत किया गया। इस उपलक्ष में तेरापंथ भवन गांधीनगर में साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में आयोजित अभिनंदन समारोह में तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने स्वागत किया तथा सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

साध्वी उदितयशाजी ने कहा कि वह व्यक्ति गौरव प्राप्त करता है जिसके पास संपत्ति के साथ उदारता हो, व्यस्तता के साथ संगठन के लिए समय हो और जो गुरु दृष्टि की आराधना के लिए संघ सेवा को प्रमुख मानता हो। साध्वीश्री ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी शक्ति का नियोजन शुभ कार्यों में, संघ प्रभावना में करता है उस पर गुरु की गांधारी दृष्टि पड़ती है और उसका जीवन कंचनमय हो जाता है।

परिषद के सत्र 2023-24 के अध्यक्ष रजत बैद ने युवा गौरव विमल कटारिया की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए शुभकामनाएं दी तथा अपने कार्यकाल में सहयोग देने वाले सहयोगियों को धन्यवाद दिया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महिला मंडल अध्यक्ष रिजू डूंगरवाल, तेरापंथ ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, नवमनोनीत अध्यक्ष सुशील चोरडिया, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष ललित मांडोत, श्रेष्ठ कार्यकर्ता प्रकाश लोढ़ा, शाखा प्रभारी अमित दक आदि ने शुभकामनाएं दी। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने विशिष्ट परिषद पुरस्कार एवं युवा गौरव पुरस्कार की अर्हताओं का विवेचन करते हुए परिषद एवं कटारिया को बधाई दी।

युवा गौरव विमल कटारिया ने तेरापंथ समाज बेंगलूरु के सहयोग को अपने उन्नयन का कारण माना। परिषद उपाध्यक्ष मनीष भंसाली ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया तथा पदाधिकारीगण द्वारा विमल कटारिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया।

संसार सागर से पार उतारने वाली है जिनवाणी : राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेशमुनि श्रवणजी ने जिनवाणी का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि जिनवाणी ने लाखों लोगों को इस संसार सागर से पार किया है और भविष्य में भी पार करेगी। यह सभी को पार उतारने वाली, तीर्थ के समान है। तीर्थंकर का अर्थ भी यही है जो स्वयं तरे और दूसरों को भी तारे, जो तीर्थ की स्थापना करें, वही तीर्थंकर कहलाता है। आगमवाणी पर आधारित प्रवचन में मुनिश्री ने कहा कि यह एक ऐसा सौदा है जिससे लोक भी सुधरेगा और जो परभव में भी साथ जाएगा। चारित्र यही रह जाता है और ज्ञान जीव के साथ जाता है। भगवान महावीर ने धर्म को महाद्वीप कहा है जिसकी शरण लेकर लाखों जीव तर गए। संतश्री ऋषभ मुनिजी ने कहा कि अपने रंग ढंग बदल लो तो जीवन बदल जाएगा। संघ के चेयरमैन महावीर मुथा, अध्यक्ष धनरूप मेहता, मंत्री छगनमल लुणावत, कोषाध्यक्ष प्रकाश खिवेसरा ने तपस्वियों की अनुमोदना की।

'परिग्रह ही समस्त दुःखों का मूल है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि संसार की समस्त विषमताओं का मूल है परिग्रह। सारे लोक में सभी जीवों के लिए परिग्रह जैसा कोई पाश नहीं और कोई प्रतिबन्ध नहीं है। परिग्रह बिना हिंसा के नहीं होता है। जो मनुष्य अति परिग्रह में व्यस्त है वह संसार में अपने प्रति वैर ही अधिक बढ़ाता है। यह परिग्रह ही समस्त दुःखों का कारण हैं। लोमहर्षक युद्धों का कारण भी यह परिग्रह ही है। यह धरती सब का पेट तो भर सकती है परन्तु किसी एक का भी मन नहीं भर सकती है। जब कोई व्यक्ति समस्त से कटकर अपने में सीमित हो जाता है, तो समस्या बन जाता है और वहीं दूसरी ओर परमार्थ में जीने वाला समस्या नहीं समाधान बन जाता है। परिग्रह से वैर और वैर से भय उत्पन्न होता है। मनुष्य को संसार में अनासक्त भाव से जीवन जीना चाहिए। विषयों के प्रति आसक्ति ममत्व, परिग्रह संचय की भावना मोह बढ़ाती है और सम्पूर्ण दुःखों का मूल मोह ही है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि व्यक्ति संसार में आरम्भ और परिग्रह इन दो कारणों से जीव धर्म, जिनवाणी श्रवण, प्रभु भक्ति से दूर रहता है। हमें अपने जीवन में आरम्भ परिग्रह को कम करते हुए धर्म, जिनवाणी पर सच्ची श्रद्धा रखनी चाहिए। नदी के पूर की तरह बढ़ा हुआ परिग्रह सदैव दुःख और क्लेश का ही कारण होता हैं। परिग्रह के समान प्राणियों के लिए दूसरा कोई भी जाल एवं बन्धन नहीं है। निश्चय दृष्टि से विश्व की प्रत्येक वस्तु परिग्रह भी है और अपरिग्रह भी हैं। यदि मूर्च्छा यानी आसक्ति है तो परिग्रह है और मूर्च्छा-ममत्व नहीं है तो अपरिग्रह है। एक साधक को सदैव इस परिग्रह से दूर ही रहना चाहिए। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संघ सहमंत्री संजय सिंघवी ने किया।

जीतो साउथ लेडीज विंग की 30 महिलाओं ने सीखा कार चलाना

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। जीतो लेडीज़ विंग साउथ द्वारा कौशल विकास प्रोजेक्ट के अन्तर्गत ड्राइविंग दीवा कार्यक्रम के माध्यम से 30 महिलाओं को कार ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया गया। वरुण ड्राइविंग स्कूल तथा फर्स्ट ड्राइव बसवनगुड़ी प्रतिष्ठान से महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। जीतो लेडीज विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्याओं का स्वागत किया। महामंत्री मोनिका पिरगल ने सभी सदस्याओं को शुभकामनाएं दी।

संयोजिका एवं उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी के प्रयासों से सभी प्रशिक्षकुओं को 18 दिन के प्रशिक्षण के साथ ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रदान किए गए। कौशल विकास विभाग की संयोजिका निधि पालरेचा एवं सहसंयोजिका प्रिया गांधी का सहयोग रहा। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंग उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी, सहमंत्री संगीता पारख तथा मैनेजिंग कमिटी सदस्य उर्मिला बरडिया, प्रतिमा जैन, निशा तुकलिया, रेशमा बडोला, नीतू जैन सहित अनेक सदस्याओं की उपस्थिति में ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए।

तप से निखरता है बाह्य व आन्तरिक सौंदर्य : साध्वीश्री

मंड्या/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मासखमण तपस्वियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि जिस प्रकार हरे आम से न कोई सुगंध व रस आता है पर जब तब उसके ताप से फल में सुगन्ध व रस भी आ जाती है आम मीठा व सरस हो जाता है उसी प्रकार तप के तेज से जीवन सरस व तेजस्वी बनता है। ज्ञानशाला उपासिका ललिता भंसाली ने मासखमण की अनुमोदना में अर्हम आच्छाने गुरु दक्षिणा देते हुए 8 की तपस्या की। मूर्तिपुजक साध्वीश्री संकल्पनिधिजी तपस्वी की अनुमोदना की। साध्वी मनीषाप्रभाजी ने कहा कि तप करने से बाह्य व आन्तरिक सौंदर्य में निखार आता है।

तपस्या से सिद्धियां व लब्धियां प्राप्त होती है। साध्वी संकल्पनिधिजी ने कहा कि तप से आत्मा चक्रवर्ती बनती है। बेंगलूरु की प्रेक्षा संगीत सुधा के गायकों के संगीत का समा बांधा। मूर्तिपुजक संघ से फूटरमल जैन व स्थानवासी समाज से विजयराज तलेसरा ने तपस्वी की अनुमोदना की। इस मौके पर विभिन्न तपस्वियों का सम्मान किया गय। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गोखरू ने स्वागत किया। साध्वी मार्धश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन किया। मंत्री विनोद भंसाली ने धन्यवाद दिया।

देव दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अग्रवाल समाज के अग्रवाल महिला मंडल की 45 सदस्याओं ने अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल के मार्गदर्शन में मैसूरु, श्रीरंगपट्टनम, चामुंडेश्वरी मंदिर और रंगनाथस्वामी मंदिर की एक दिवसीय यात्रा कर देव दर्शन कर अपने नए कार्यकाल की शुरुआत की। संयोजिका ज्योति मोदी और अंजू जिंदल ने इस यात्रा की व्यवस्था संभाली।

विद्यार्थियों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन जरुरी : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बेंगलूरु साउथ जोन होसाहल्ली क्लस्टर लेवल टैलेंट फाउंटेन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बारह से अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर मारुति मेडिकल के महेंद्र मुणोत ने विजेता बच्चों को पुरस्कार दिए। सेंट जॉन्स स्कूल, हम्पीनगर में आयोजित कार्यक्रम में महेन्द्र मुणोत ने कहा कि अपनी प्रतिभा दिखाना एक रोमांचक कार्य है। स्कूल के पाठ्यक्रम के साथ-साथ, खेल और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन भी बहुत महत्वपूर्ण है। खेल से अगर शारीरिक ताकत बढ़ती है, आपके अंदर की प्रतिभा बाहर आती है तो ये देश की शान में आपका योगदान है। कार्यक्रम में अनेक फील्ड शिक्षा अधिकारी, क्लस्टर समन्वयक और अन्य शिक्षण-कर्मचारी मौजूद रहे।

सबसे बड़ी तपस्या पश्चाताप है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जापों में नवकार मन्त्र, बातों में सत्य मधुरवचन, खातों में न्याय नीति से बही खाता और तापों में पश्चाताप सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। सबसे बड़ी तपस्या पश्चाताप है।

भगवान महावीर ने सातवां तप प्रायश्चित बताया है। जिस के चिन्तन मनन से आत्मा का शुध्दिकरण होता है, वह पश्चाताप है। सामाजिक जीवन में ईगो बहुत भर चुका है। सातवां तप प्रायश्चित आए बिना भले ही बड़ा ज्ञानी-तपस्वी-मौनी हो आत्मा का कर्ममल रहित नहीं हो सकता। 'चित्त' का शुद्धिकरण 'चारित्र' से होता है। इन्सान से भूल होना, मानवीय स्वभाव है, लेकिन भूल को स्वीकार (पश्चाताप) करने वाली आत्मा महापुरुष बनने की योग्यता रखती है। पाप का प्रक्षालन पश्चाताप से होता है।

मुनिश्री के सान्निध्य में बृहद आलोयणा और विनय आराधना नामक दो धार्मिक पुस्तकों का विमोचन संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत, महामंत्री संपतराज मांडोत, कोषाध्यक्ष सुदर्शनकुमार मांडोत, तिलोकचंद कटारिया, शांतिलाल लुणावत, किशोरकुमार गादिया ने किया। इस मौके पर ऊटी से अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

राजपुरोहित बने कांग्रेस जिला महासचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की, जिसमें बिशनसिंह राजपुरोहित को फिर से जिला महासचिव पद पर नियुक्त किया गया। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में राजपुरोहित को जिला अध्यक्ष केवी गौतम ने नियुक्ति पत्र सौंपा।

भाषा साहित्य मंच की मासिक काव्यगोष्ठी संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भाषा साहित्य मंच की अगस्त माह की ऑनलाइन काव्यगोष्ठी की शुरुआत नंदिनी माथुर द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। संस्थापिका उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया तथा कोलकाता में हुई दुखद दुर्घटना पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी में शालिनी गर्ग, डॉक्टर सुमन मेहरोत्रा, डॉक्टर वत्सला किरण, डॉक्टर उषा श्रीवास्तव, सुदेश वत्स, नंदिनी माथुर, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने अपनी रचना पाठ एवं भजन प्रस्तुति दी। संचालन डॉक्टर शैलजा और प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने किया। सहसंयोजिका डॉक्टर वत्सला किरण ने धन्यवाद दिया।

भारतीय राजपुताना संगठन ने संतश्री प्रीतममुनि का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरटी नगर में भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के अध्यक्ष चितरंजनसिंह और आरटी नगर टीम के सदस्यों द्वारा संतश्री प्रीतममुनिजी के स्वागत में सम्मान कार्यक्रम एवं प्रेरणादायक सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुनिजी ने अपने प्रवचन में सनातन धर्म के विस्तार, धर्म के आचरण और अपने आराध्य की पूजा के सही तरीकों की महत्वपूर्ण बातें बताई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने गुरुजी के मिशन और उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। राजपूत समाज कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष सोहनसिंह राजपूत, पूर्व सचिव नारायरण सिंह, सलाहकार रामलखन सिंह, राष्ट्रीय महासचिव प्रेमसिंह और आरटी नगर मातृशक्ति अध्यक्ष शिप्रा सिंह, उपाध्यक्ष अभय सिंह, सचिव शंभू सिंह,आयोजन सचिव राणा रणजीतसिंह ने विचार व्यक्त किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com